आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 136 | उज्जैन, बुधवार 09 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

सहकारी समितियों की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक-मुख्यमंत्री डॉ.यादव

जून 2025 तक सभी समितियों का ऑडिट सुनिश्चित किया जाए

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सहकारी समितियों की साख और जन सामान्य में उनके प्रति विश्वास बनाए रखने के लिए समितियों की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करना आवश्यक है। अत- सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के कार्यों का शत प्रतिशत कम्प्यूटराईजेशन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जून 2025 तक समितियों का ऑडिट पूर्ण कर कृषकों को लेन-देन की सूचना एसएमएस के माध्यम से उपलब्ध कराने और इस वर्ष के अंत अर्थात दिसम्बर 2025 तक सभी समितियों के कार्यों का कम्प्यूटराईजेशन सु?निश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में हुई सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देशित कर रहे थे। बैठक में सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव सहकारिता श्री अशोक वर्णवाल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अल्पसेवित पंचायतों की पहचान कर नवीन सहकारी समितियों के गठन के लिए प्राथमिकता पर कार्यवाही की जाए। वर्तमान परिदृश्य और आवश्यकताओं को देखते हुए अधिक से अधिक समितियों में पारंपरिक गतिविधियों के साथ-साथ कॉमन सर्विस सेंटर, प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र, जन औषधि केंद्र, जल कर वसूली केंद्र और एग्री ड्रोन संचालन जैसी गतिविधियां चलाई जाएं। इसके साथ ही को-ऑपरेटिव- पब्लिक-प्राइवेट- पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के माध्यम से सहकारी-सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी से सहकारी समितियों को व्यवसाय के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में विशेष प्रयास किए जाएं।

55 दिन, 4000 समुद्री मील- 'समुद्र प्रदक्षिणा' पर रवाना हुआ तीनों सेनाओं की महिला सैनिकों का बेड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीनों सेनाओं का एक महिला दल सोमवार को भारतीय सशस्त्र नौकायन पोत त्रिवेणी से सेशेल्स के लिए 55 दिवसीय अभियान पर रवाना हुआ। कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एके रमेश ने कोलाबा स्थित भारतीय नौसेना जलयात्रा प्रशिक्षण केंद्र से पोत को हरी झंडी दिखाई गई।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 12 सदस्यीय दल ने 4,000 समुद्री मील की चुनौतीपूर्ण यात्रा शुरू की है। यह पहल नारी शक्ति की अदम्य भावना को उजागर करती है। यह अभियान 2026 के लिए नियोजित एक और अधिक महत्वाकांक्षी अभियान के लिए एक प्रारंभिक चरण के रूप में कार्य करेगा। दल में शामिल महिलाओं को दो साल तक कठोर प्रशिक्षण दिया गया।

महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक- रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि मुंबई-सेशेल्स-मुंबई अभियान न केवल सशस्त्र बलों में महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक है, बल्कि रानी वेलु नचियार, रानी दुर्गावती और रानी लक्ष्मी बाई जैसी महान योद्धाओं को श्रद्धांजलि है, जिनके कार्य पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

होटल में मिला मेघालय के प्रधान सचिव का शव, दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला; जताई जा रही ये आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेघालय के प्रधान सचिव मोहम्मद ए रजी का शव एक होटल में मिला है। अधिकारियों ने बताया कि वे अपनी निजी यात्रा के तहत उज्बेकिस्तान गए थे। वहां के एक होटल में वे मृत पाए गए। अधिकारियों को मुताबिक रजी 4 अप्रैल से उज्बेकिस्तान के बुखारा शहर में ठहरे थे। आशंका जताई जा रही है कि उनकी मौत हृदयाघात से हुई है। आईआरटीएस अधिकारी मोहम्मद ए रजी 2021 से प्रतिनियुक्ति के तहत मेघालय में तैनात थे।

दरवाजा तोड़कर निकाली गई लाश- एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि सोमवार की सुबह रजी ने फोन कॉल नहीं उठाई। इसके बाद होटल के कर्मचारियों ने उनके कमरे का दरवाजा तोड़ा। जहां वे मृत मिले। इस बीच मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के संगमा ने पीटीआई को बताया कि आवश्यक औपचारिकताएं चल रही हैं। रजी की पत्नी बुखारा के लिए रवाना हो गई हैं। सीएम संगमा ने एक पोस्ट में लिखा कि मंत्रालय के प्रधान सचिव सैयद मोहम्मद ए रजी के असामयिक निधन के बारे में सुनकर गहरा दुख हुआ है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने पुर्तगाल के चर्च का दौरा किया, मशहूर कवि कैमोज को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने पहले पुर्तगाल दौरे पर हैं, जहां उनका ऐतिहासिक शहर लिस्बन में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान लिस्बन के मेयर द्वारा उन्हें की ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह लिस्बन के ऐतिहासिक सिटी हॉल कैमरा म्यूनिसिपल दे लिस्बोआ में आयोजित हुआ।

इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मु ने पुर्तगाल के चर्च का दौरा किया। इसके बाद उन्होंने मशहूर कवि लुइस वाज डी कैमोज की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस विशेष अवसर पर लिस्बन शहर के कई गणमान्य नागरिक, राजनयिक समुदाय के सदस्य और भारतीय व भारत-पुर्तगाल समुदाय के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। समारोह ने भारत और पुर्तगाल के बीच पुराने और घनिष्ठ संबंधों को और मजबूत किया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने पुर्तगालवासियों का जताया आभार - राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने संबोधन में कहा, मैं पुर्तगाल की अपनी पहली राजकीय यात्रा के तहत लिस्बन शहर आकर बेहद खुश हूं। मैं यहां की जनता और शहर के मेयर का इतने गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद देती हूं।

उन्होंने आगे कहा कि भारत और पुर्तगाल के बीच सांस्कृतिक संबंध सदियों पुराने हैं और इनका प्रभाव हमारे दैनिक जीवन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यह साझा विरासत दोनों देशों को एक-दूसरे के और करीब लाती है।

सावरकर पर टिप्पणी मामले में कोर्ट ने मंजूर की याचिका, राहुल गांधी की ओर से की गई थी ये मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्थानीय अदालत ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें उन्होंने वीडी सावरकर पर टिप्पणी को लेकर मानहानि मामले को समरी ट्रायल से समन ट्रायल में बदलने की मांग की थी, ताकि ऐतिहासिक संदर्भों और साक्ष्यों पर चर्चा की जा सके। सांसदों/विधायकों के लिए विशेष अदालत के न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) अमोल शिंदे ने राहुल गांधी के वकील मिलिंद पवार द्वारा दायर आवेदन को स्वीकार कर लिया।

अदालत ने आदेश में क्या कहा- अदालत के आदेश में कहा गया है कि मामला प्रथम दृष्टया समन ट्रायल की श्रेणी में आता है। मौजूदा मामले में आरोपित तथ्यों और कानून के ऐसे सवाल उठा रहा है, जो जटिल प्रकृति के हैं। आरोपित ने कुछ मुद्दे भी उठाए हैं, जिनका निर्धारण ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर किया जाएगा। इसलिए मेरे विचार से इस मामले को समरी ट्रायल के रूप में चलाना अवांछनीय है, क्योंकि समरी ट्रायल में विस्तृत साक्ष्य नहीं जुटाए जाते और जिरह नहीं की जाती है।

जज ने कहा, समन ट्रायल में आरोपित को विस्तृत साक्ष्य पेश करने होंगे और शिकायतकर्ता के गवाहों से गहनता से जिरह करनी होगी। न्याय के हित में यह आवश्यक है कि केस की सुनवाई समन मामले के रूप में की जाए। यदि वर्तमान मामले की सुनवाई समन मामले के रूप में की जाती है तो किसी भी पक्ष को कोई नुकसान नहीं होगा।

भारत दौरे पर आ रहे दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान, पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद अल मकतूम 8-9 अप्रैल को भारत की यात्रा करेंगे। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे। उनकी विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक का भी कार्यक्रम है। इसके अलावा मुंबई में एक व्यापार सम्मेलन में भाग लेंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि शेख हमदान की यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है। दुबई के क्राउन प्रिंस के रूप में यह उनकी पहली आधिकारिक भारत यात्रा होगी।

बोल दूंगा इनकम टैक्स वाले नहीं आएंगे..., मुद्रा योजना के लाभार्थियों से ऐसा क्यों बोले PM मोदी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुद्रा योजना के 10 साल पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाभार्थियों के साथ बातचीत की। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, मैंने पूरे भारत से मुद्रा लाभार्थियों को अपने निवास पर आमंत्रित किया था। लाभार्थियों ने इस योजना से उनके जीवन में आए बदलावों के बारे में रोचक जानकारी साझा की।

मुद्रा योजना ने कई सपनों को हकीकत में बदला- पीएम मोदी ने लिखा, आज, जब हम मुद्रा योजना के 10 साल पूरे कर रहे हैं, मैं उन सभी को बधाई देना चाहता हूं, जिनके जीवन में इस योजना की बदौलत बदलाव आया है। इस दशक में मुद्रा योजना ने कई सपनों को हकीकत में बदला है। ऐसे लोगों को सशक्त बनाया है, जिन्हें पहले वित्तीय सहायता से वंचित रखा गया था। यह दर्शाता है कि भारत के लोगों के लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

पीएम ने आगे कहा, भारत के लोगों के लिए कुछ भी असंभव नहीं है, 33 लाख करोड़ देश के लोगों को बिना गारंटी दिए गए, इससे जीवन बदला है, सबसे ज्यादा महिलाएं आगे आई हैं।

देश के नौजवानों के लिए है योजना - पीएम मोदी ने कहा कि मुद्रा योजना मोदी के लिए नहीं है, बल्कि देश के नौजवानों के लिए है। पीएम मोदी ने कहा- हमारे देश में बहुत कम लोग हैं, जिन्हें पता है साइलेंटली कैसे रिवॉल्योशन हो रहा है।

सालाना टर्नओवर 12 से 50 लाख पहुंचा- पीएम मोदी को लोगों ने अपने अनुभव बताया, एक ने कहा मुद्रा लोन के बाद हमने पेट को लेकर सुविधा शुरू की। अब मुझे इसे बहुत फायदा हो रहा है। पीएम मोदी ने एक लाभार्थी से पूछा कि फिलहाल आपकी आय कितनी है? इस पर उस शख्स की झिझक देखते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री मेरे बगल में बैठे हैं, उन्हें बोल दूंगा इनकम टैक्स वाले नहीं आएंगे। एक लाभार्थी ने बताया कि मुद्रा लोन से अपना बिजनेस सेट-अप करके घर भी खरीदा है। उन्होंने बताया कि जहां पहले उनका सालाना टर्नओवर 12 लाख था, वो अब 50 लाख हो चुका है। उन्होंने पीएम मोदी को इसके लिए थैंक्यू कहा। एक ने कहा मुद्रा योजना से पहले वो 20 हजार रुपए महीना कमाता था, आज उसकी इनकम दोगुनी हो गई है।

अल्लाह ने मुझे किसी वजह से जिंदा रखा है, क्या बांग्लादेश वापस लौटेंगी शेख हसीना?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में उथल-पुथल बरकरार है। इस बीच बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस को चुनौती दी है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने समर्थकों को एक संदेश दिया है, उन्होंने कहा,वह अपने देश वापस आएंगी। शेख हसीना ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस पर निशाना साधा है।

पूर्व प्रधानमंत्री हसीना ने कहा,

अल्लाह ने मुझे किसी कारण से जीवित रखा है और वह दिन आएगा जब अवामी लीग के सदस्यों को निशाना बनाने वालों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

समर्थकों से की बातचीत- अवामी लीग की अध्यक्ष, शेख हसीना ने देशव्यापी आंदोलन के बाद भारत में शरण ली हुई थी। उन्होंने यह टिप्पणी उस समय की जब वह सोशल मीडिया पर अपनी पार्टी के नेताओं के परिवार के सदस्यों से बातचीत करते समय की है।

उनके दोगुलेपन को नहीं समझ पाए- शेख हसीना ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस पर निशाना साधा और उन्हें ऐसा व्यक्ति बताया जिसने कभी लोगों से प्यार नहीं किया। शेख हसीना ने कहा- उन्होंने उच्च ब्याज दरों पर छोटी रकम उधार ली और उस पैसे का इस्तेमाल विदेश में शानदार तरीके से रहने के लिए किया।

हम तब उनके दोगलेपन को नहीं समझ पाए, इसलिए हमने उनकी बहुत मदद की। लेकिन लोगों को कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने अपने लिए अच्छा किया। फिर सत्ता की लालसा पैदा हुई जो अब बांग्लादेश को जला रही है।

बांग्लादेश अब एक आतंकवादी देश बन गया- शेख हसीना ने आगे कहा, विकास के मॉडल के रूप में देखा जाने वाला बांग्लादेश अब एक आतंकवादी देश बन गया है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, हमारे नेता और कार्यकर्ताओं को जिस तरह मारा जा रहा है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। अवामी लीग के लोग, पुलिस, वकील, पत्रकार और कलाकार सभी को निशाना बनाया जा रहा है।

मैंने अपने पिता- भाई सबको खो दिया- अपने पिता और बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान सहित अपने पूरे परिवार की भयानक हत्याओं को याद करते हुए उन्होंने कहा, मैंने एक ही दिन में अपने पिता, माता, भाई, सभी को खो दिया। और इसके बाद हमें अपने देश लौटने नहीं दिया गया। मुझे अपने लोगों को खोने का दर्द पता है। अल्लाह मेरी रक्षा करता रहता है, शायद वह मेरे माध्यम से कुछ अच्छा करवाना चाहता है।

12 हजार साल पहले धरती से विलुप्त हुए थे Dire Wolf, अब फिर से लौटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के डलास शहर से एक दिलचस्प खबर सामने आई है। डलास स्थित बायोटेक फर्म कोलोसैल बायोसाइंसेज ने विलुप्त हुए जानवरों को लेकर एक जरूरी एलान किया है। कोलोसैल बायोसाइंसेज ने विलुप्त हो चुके जानवरों को फिर वापस लाने के अपने मिशन में सफलता हासिल की है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने सोमवार को बताया कि उन्होंने तीन डायर वुल्फ को फिर से जीवित किया है। डायर वुल्फ पॉपुलर सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोन्स' में देखे गए थे, लेकिन पृथ्वी से इस प्रजाति को विलुप्त हुए 12 हजार सालों से ज्यादा समय हो चुका है। कोलॉसल ने 2022 में उस समय सुर्खियां बटोरी थीं जब उसने विलुप्त हो चुके वूली मैमथ को वापस लाने का लक्ष्य घोषित किया था। हालांकि तब तक कंपनी सिर्फ वूली चूहे को ही वापस लाने में सफल हो पाई थी।

कैसे हुआ यह मुमकिन- कोलॉसल ने अपनी जीन एडिटिंग तकनीक को न सिर्फ प्राचीन जीवों को वापस लाने का जरिया बताया, बल्कि इसके जरिए स्वास्थ्य और जैव विविधता के क्षेत्र में लाभकारी उपयोगों को विकसित करने की संभावनाएं भी जताई हैं।

कोलॉसल ने अपनी नई उपलब्धि के बारे में बताते हुए कहा, ÷इस तकनीक से डायर वुल्फ के तीन बच्चों का जन्म हुआ है, जिनमें दो नर, रेमस और रोमुलस हैं और खलीसी नाम की एक मादा वुल्फ है, जिनका वजन 80 पाउंड है। आपको बता दें कि खलीसी नाम लोकप्रिय सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोन्स' की एक किरदार पर रखा गया है।

आम भेड़ियों से कितने अलग हैं डायर वुल्फ- डायर वुल्फ के इन बच्चों को अमेरिका की एक गुप्त लोकेशन पर रखा गया है। यह तीनों खाने में खास किबल (जानवरों के लिए बनाया खाना) के साथ गाय, हिरण और घोड़े का मांस खाते हैं। दोनों नर डायर वुल्फ, अपने सबसे करीबी जीवित रिश्तेदार, ग्रे वुल्फ के बच्चों से लगभग 20 से 25त्न बड़े हैं।

कोलोसल का अनुमान है कि पूरी तरह से बड़े हो जाने पर इन डायर वुल्फ का वजन करीब 140 पाउंड तक पहुंच जाएगा। कोलोसल के सीईओ बेन लैम ने कहा, अगर हम सफल होते हैं, तो हम ऐसी तकनीके बना सकेंगे जो मानव स्वास्थ्य और संरक्षण में भी मदद कर सकेगी।

यूक्रेन युद्ध खत्म करना चाहते हैं पुतिन, लेकिन रूस की मांगों पर नहीं मिला जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस ने कहा है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में युद्ध खत्म होने के विचार के साथ हैं लेकिन इस बाबत रूस ने जो अपेक्षा की है उस पर उसे जवाब नहीं मिला है।

रूस ने अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो में यूक्रेन को कभी शामिल न किए जाने का आश्वासन मांगा है। युद्धविराम के बाद यूक्रेन में यूरोप की शांति सेना की तैनाती की योजना के बारे में जानकारी मांगी है। इसके साथ ही कब्जे वाली यूक्रेनी जमीन पर अपना पूर्ण दावा किया है। लेकिन इस पर न अमेरिका ने कोई ठोस बात कही है और न ही यूक्रेन ने कोई स्पष्ट बात कही है। इसलिए रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। इस बीच युद्धविराम के लिए प्रयास कर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से यूक्रेन में हमले रोकने के लिए कहा है।

ट्रंप ने कहा है कि युद्धविराम के लिए वार्ता भी चलती रहे और हमले भी होते रहें तो उस वार्ता के सफल होने के आसार कम हो जाते हैं। इसलिए यूक्रेन में स्थायी शांति के लिए रूस को यूक्रेन में हमले रोक देने चाहिए और पूरी गंभीरता के साथ वार्ता को आगे बढ़ाना चाहिए।

मालूम हो कि यूक्रेन में युद्धविराम को लेकर अमेरिका की रूस से वार्ता चल रही है।

व्यापार घाटा, ईरान परमाणु हथियार और चीन पर तगड़ा टैरिफ..., ट्रंप-नेतन्याहू की मुलाकात के बाद क्या बात आई सामने?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापार घाटा कम करने और ईरान के साथ सीधी बातचीत शुरू करने पर सहमति बनी।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने राष्ट्रपति ट्रंप को धन्यवाद देते हुए कहा, मैं राष्ट्रपति का एक बार फिर व्हाइट हाउस में आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद करता हूं। उन्होंने हमारे गठबंधन के लिए एक उल्लेखनीय मित्रता दिखाई है। हम अमेरिका के साथ व्यापार घाटे को समाप्त करने का इरादा रखते हैं और इसे बहुत जल्दी करने की योजना बना रहे हैं।

ईरान के साथ सीधी बातचीत की घोषणा- राष्ट्रपति ट्रंप ने बैठक के दौरान घोषणा की कि अमेरिका ईरान के साथ उसके परमाणु कार्यक्रम पर सीधी उच्च-स्तरीय वार्ता शुरू करेगा, यह जोर देते हुए कि ईरान को परमाणु हथियार प्राप्त नहीं करने दिए जाएंगे।

चीन के साथ व्यापारिक तनाव- राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर चीन अपने 34% जवाबी टैक्स को नहीं हटाता है, तो अमेरिका अतिरिक्त 50% शुल्क लगाएगा। उन्होंने कहा, हमारे पास इस पर केवल एक मौका है, और कोई अन्य राष्ट्रपति यह नहीं करेगा, जो मैं कर रहा हूं।

ईरान बहुत बड़े खतरे में होगा, बातचीत से पहले ट्रंप की धमकी; तेहरान ने कहा- गेंद अमेरिका के पाले में

नई दिल्ली (एजेंसी)। परमाणु समझौते पर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। कुछ दिन पहले ईरान ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ सीधे बातचीत करने से मना कर दिया था। अब डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से कहा है कि अमेरिका परमाणु कार्यक्रम पर सीधे बातचीत करेगा। इतना ही नहीं ट्रंप ने ईरान को धमकी भी दी।

उन्होंने कहा कि अगर बातचीत सफल नहीं हुई तो बहुत बड़ा खतरा झेलना होगा। ट्रंप ने कहा कि अगर वार्ता सफल नहीं हुई तो मुझे लगता है कि यह ईरान के लिए बहुत बुरा दिन होगा।

हम सीधे निपट रहे हैं- ईरान ने अपने जवाब में कहा कि वह बातचीत को तैयार है। मगर यह वार्ता मध्यस्थ के माध्यम से अप्रत्यक्ष होगी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के बाद ट्रंप ने दावा किया कि वार्ता शनिवार को होगी। ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिल सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि हम उनसे (ईरान) सीधे तौर पर निपट रहे हैं। शायद कोई डील हो जाए। अगर समझौता हुआ तो यह हम जो करना चाहते हैं... उससे बेहतर होगा।

अगर समझौता नहीं हुआ तो- डोनाल्ड ट्रंप से जब यह पूछा गया कि अगर ईरान के साथ समझौता नहीं हो पाया तो क्या अमेरिका सैन्य कार्रवाई करेगा। जवाब में ट्रंप ने कहा कि ईरान बहुत बड़े खतरे में होगा। हालांकि मुझे यह कहने में बहुत बुरा लग रहा है।

गेंद अमेरिका के पाले में- इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर लिखा कि ईरान और अमेरिका शनिवार को ओमान में अप्रत्यक्ष तौर पर उच्च स्तरीय वार्ता के लिए मिलेंगे। यह एक अवसर होने के साथ-साथ एक परीक्षा भी है। गेंद अमेरिका के पाले में है।

डोनाल्ड ट्रंप के घर इस महीने आएगी गुड न्यूज, अमेरिकी राष्ट्रपति की छोटी बेटी टिफनी हैं वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सबसे छोटी बेटी जल्द ही मां बनने वाली हैं। 31 वर्षीय टिफनी ट्रंप इस साल अप्रैल में अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं। ट्रंप 11वीं बार नाना बनने जा रहे हैं।

हाल ही में, टिफनी ट्रम्प को मियामी में अपने पति माइकल बुलोस के साथ बाहर घूमते हुए अपने बेबी बंप को दिखाते हुए देखा गया था। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, कपल शनिवार को शाम 7 बजे के आसपास साउथ बीच में कॉल मी गैबी में सीक्रेट सर्विस के साथ पहुंचा था।

इस दौरान टिफनी ने एक शानदार चॉकलेट ब्राउन कलर की मैक्सी ड्रेस पहनी थी। इसके साथ उन्होंने गुलाबी रंग का पर्स, मैचिंग स्लीपर्स और गुलाबी फोन केस भी कैरी किया था

टिफनी ने अक्टूबर में की थी प्रेगनेंसी की घोषणा- टिफनी ट्रम्प ने साल 2024 के अक्टूबर महीने में अपनी प्रेगनेंसी की घोषणा की थी। डोनाल्ड ट्रम्प ने खुद इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा था कि उनकी बेटी जल्द ही मां बनने वाली हैं। इसके बाद, टिफनी जनवरी 2024 में अपने पिता की शपथ ग्रहण समारोह में भी शामिल हुईं थी।

ट्रंप की चौथी संतान हैं टिफनी- टिफनी का जन्म 1993 में हुआ है। वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चौथी संतान है और सबसे छोटी बेटी हैं। टिफनी डोनाल्ड ट्रंप की दूसरी पत्नी और एक्ट्रेस मारला मैपल्स की संतान हैं। टिफनी ने अपनी स्कूलिंग कैलिफोर्निया के व्यूपॉइंट स्कूल से 2012 में पूरी की।

गलती के ऊपर गलती, ट्रंप के 50त्न और टैरिफ लगाने की धमकी पर चीन बोला- झुकेंगे नहीं... जवाबी कदम उठाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को चीन और भारत समेत दुनियाभर के 180 देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाने का एलान किया था। इसके बाद से ही वैश्विक बाजार में उथल-पुथल का माहौल है।

50 फीसदी और टैरिफ लगाने की धमकी- ट्रंप के टैरिफ से चीन बौखला उठा। उसने भी अमेरिकी सामान पर जवाबी 34 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इससे ट्रंप खफा है। उन्होंने चीन पर 50 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी। उधर, चीन ने भी अमेरिका को सीधे मैसेज भेज दिया है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच टैरिफ युद्ध ने वैश्विक मंदी की आहट तेज कर दी है।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा है कि वे अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ अंत तक लड़ाई लड़ेंगे। मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन पर और टैरिफ लगाने की धमकी एक गलती के ऊपर दूसरी गलती होगी। इससे अमेरिका का ब्लैकमेलिंग स्वभाग उजागर होगा। चीन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। अगर अमेरिका हमें अपने तरीके से चलने पर मजबूर करेगा तो चीन आखिरी तक उसका मुकाबला करेगा।

प्रवक्ता ने आगे कहा कि अगर अमेरिका ने टैरिफ की दर बढ़ाई तो चीन अपने अधिकारों और हितों की रक्षा में जवाबी कदम उठाएगा। चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि वह अमेरिका के साथ बातचीत करना चाहता है। ट्रेड वार में कोई विजेता नहीं होता है।

अब तो उम्मीद भी... बंगाल शिक्षक भर्ती मामले में राहुल गांधी की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल में शिक्षकों की भर्ती रद होने का मामला अब गरमाता जा रहा है। जहां एक ओर बीजेपी ममता सरकार पर हमलवार है। दूसरी ओर इस मुद्दे पर आज राहुल गांधी ने भी अपनी बातों को रखा। राहुल गांधी ने इस प्रकरण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष तरीके से चुने गए उम्मीदवारों को पश्चिम बंगाल में स्कूल शिक्षक के रूप में काम करने की अनुमति दी जाए।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षक शिक्षा अधिकार मंच के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे राष्ट्रपति मुर्मु को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में हजारों योग्य स्कूल शिक्षकों के मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है, जिन्होंने न्यायपालिका द्वारा शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को रद किए जाने के बाद अपनी नौकरी खो दी है।

राहुल गांधी ने की राष्ट्रपति से हस्तक्षेप करने की अपील- कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा कि मुझे उम्मीद है कि यह पत्र आपको अच्छा लगेगा; मैं पश्चिम बंगाल में हजारों योग्य स्कूल शिक्षकों के मामले में आपसे हस्तक्षेप करने का अनुरोध करता हूं, जिन्होंने न्यायपालिका द्वारा शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को रद किए जाने के कारण अपनी नौकरी खो दी है। प्रभावित शिक्षकों के मंच शिक्षक शिक्षा अधिकार मंच (IX-X) के प्रतिनिधिमंडल ने मुझे मामले से अवगत कराया और विशेष रूप से अनुरोध किया कि मैं आपको पत्र लिखूं। उनके प्रतिनिधित्व की एक प्रति संलग्न है।

उन्होंने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शिक्षक भर्ती में गंभीर अनियमितताएं पाईं और पूरी प्रक्रिया को अमान्य घोषित कर दिया। 3 अप्रैल को सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा।

2 घंटे में 108 बार सूर्य नमस्कार कर बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर भारत के नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई है। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के अराकू वैली डिग्री कॉलेज में योग - महा सूर्य वंदनम कार्यक्रम के तहत लगभग 20,000 आदिवासी छात्रों ने 108 बार सूर्य नमस्कार किए।

13,000 से अधिक लड़कियों सहित 20,000 प्रतिभागियों ने लगभग दो घंटे तक 108 बार सूर्य नमस्कार किए, जिससे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना। विश्व स्वास्थ्य दिवस समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम को लंदन वर्ल्ड रिकॉर्ड्स यूनियन की प्रबंधक एलिस रेनॉड ने आधिकारिक रूप से मान्यता दी, जिन्होंने जिला कलेक्टर दिनेश कुमार को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

एक नया विश्व रिकॉर्ड है- एएनआई से बात करते हुए एलिस रेनॉड ने कहा, मैं वर्ल्ड रिकॉर्ड यूनियन की प्रबंधक हूं, और मैं आज रात 20,000 छात्रों द्वारा सूर्य नमस्कार किए जाने के प्रदर्शन को देखने के लिए यहां आई थी। यह एक नया विश्व रिकॉर्ड है जो आज रात स्थापित हुआ है। मैं उन्हें बधाई देना चाहती हूं।

शिक्षक भर्ती घोटाले में ममता सरकार को बड़ी राहत, नहीं होगी सीबीआई जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में आज ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले के एक हिस्से को खारिज कर दिया, जिसमें बंगाल सरकार द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति के फैसले की सीबीआई जांच का आदेश दिया गया था।

इस मामले में जारी रहेगी जांच- शीर्ष अदालत ने यह स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल के राज्य द्वारा संचालित और सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति से संबंधित अन्य पहलुओं की कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्देशानुसार सीबीआई जांच जारी रहेगी।

अतिरिक्त पद से तात्पर्य ऐसे अस्थायी पद से है, जो किसी ऐसे कर्मचारी को समायोजित करने के लिए बनाया गया हो, जो किसी नियमित पद का हकदार हो, जो फिलहाल नहीं है।

होईकोर्ट ने दिया था जांच का आदेश- बता दें कि बंगाल शिक्षा विभाग ने एसएससी भर्ती के लिए लगभग 6,000 अतिरिक्त रिक्तियां सृजित की थीं। इस निर्णय को राज्य मंत्रिमंडल ने भी मंजूरी दे दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि अतिरिक्त रिक्तियां सृजित करने का निर्णय सही नहीं था।

टीचर ने छड़ी फेंक कर मारी, 6 साल के बच्चे की एक आंख की रोशनी गई; एक साल बाद केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के एक स्कूल में छड़ी से चोट लगने के बाद छह साल के बच्चे की एक आंख की रोशनी चली गई। मामला एक साल पहले का है। मगर दो सर्जरी के बाद भी बच्चे की रोशनी नहीं लौटी। अब परिजनों की शिकायत पर आरोपित शिक्षक और 5 अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कक्षा एक में पढ़ता था बच्चा- पुलिस के मुताबिक पिछले साल 6 मार्च को कर्नाटक के चिक्काबल्लापुर जिले के चिंतामणि तालुक के एक सरकारी स्कूल की यह घटना है। पीड़ित छात्र यशवंत कक्षा एक में पढ़ता था। पुलिस ने बताया कि बच्चों को संभालते समय शिक्षक ने उन पर छड़ी फेंककर मारी। मगर गलती से यह छड़ी यशवंत की दाहिनी आंख में जा लगी। चोट लगने से आंख क्षतिग्रस्त हो गई।

चोट लगने के कुछ दिन बाद बिगड़ी हालत- पुलिस ने बताया कि शुरुआत में बच्चे के माता-पिता को यह अंदाजा नहीं था कि मामला इतना गंभीर बन जाएगा। चोट लगने के कुछ दिन बाद बच्चे की आंख की हालत खराब होने लगी। माता-पिता बच्चे को चिंतामणि में स्थित एक नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास लेकर पहुंचे। मगर उन्होंने हालत देखकर बच्चे को जिला अस्पताल भेज दिया।

विक्टोरिया अस्पताल में हुई दो सर्जरी- पुलिस के अनुसार पिछले साल दिसंबर में आंखों की जांच करने के बाद बेंगलुरु के विक्टोरिया अस्पताल में डॉक्टरों ने दो सर्जरी की गई। मगर उसके बाद भी हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद लड़के के माता -पिता ने उसे बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां जांच में डॉक्टरों को पता चला कि बच्चे की दाहिनी आंख की दृष्टि जा चुकी है।

विरोध प्रदर्शन के बाद केस हुआ दर्ज- माता-पिता और स्थानीय लोगों ने रविवार शाम को बटलहल्ली पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद अभियुक्त शिक्षक और पांच अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

भारत-चीन BRICS और G20 में साथ, व्यापार भी बढ़ा; कैसी रहेगी आगे की राह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्तमान में भारत और चीन आर्थिक, राजनीतिक और वैश्विक कूटनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आर्थिक दृष्टि से दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध तेजी से बढ़े हैं। हालांकि, सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियां अब भी कायम हैं। एक अप्रैल को दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ थी, जो इस संबंध की मजबूती और स्थायित्व को दर्शाती है।

वैसे भारत और चीन की अर्थव्यवस्थाएं विश्व की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध पिछले दो दशकों में अभूतपूर्व रूप से बढ़े हैं। हालांकि, व्यापार संतुलन चीन के पक्ष में है और भारत इस असंतुलन को कम करने के लिए प्रयासरत है। भारत ने आयात कम करने व घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी नीतियां अपनाई हैं।

किन मुद्दों पर चीन का सहयोग अहम- राजनीतिक स्तर पर भारत और चीन ने कई बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग किया है, जैसे कि ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और जी-20। इन मंचों पर दोनों देशों का दृष्टिकोण कभी-कभी अलग-अलग होता है, लेकिन कई मुद्दों पर उनका सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा है।

सीमा विवाद के समाधान के लिए दोनों देशों ने विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ताएं स्थापित की हैं। हाल के वर्षों में उच्च-स्तरीय बैठकों के माध्यम से तनाव कम करने के प्रयास किए गए हैं। भारत और चीन के बीच सांस्कृतिक सहयोग भी एक महत्वपूर्ण पहलू है।

भारतीय योग, आयुर्वेद और बौद्ध मत चीन में बहुत लोकप्रिय हैं, वहीं चीन के पारंपरिक मार्शल आर्ट और औषधीय प्रणाली भारत में भी अपनी पहचान बना रहे हैं। दोनों देशों के बीच छात्र विनिमय कार्यक्रम और शिक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ रहा है, जिससे आपसी समझ को मजबूती मिल रही है।

SC से खारिज नहीं होगा वक्फ संशोधन कानून, लेकिन पास करनी होगी ये तीन परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद वक्फ संशोधन विधेयक कानून बन चुका है। हालांकि संसद के दोनों सदनों से पारित होते ही इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी गई। अभी तक कई याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं जिनमें इसे संविधान के खिलाफ और धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताते चुनौती दी गई है।

लेकिन अगर किसी कानून को परखने के कोर्ट के दायरे को देखा जाए तो वो थोड़ा सीमित होता है। किसी भी कानून को तीन आधारों, विधायी सक्षमता, संविधान का उल्लंघन और मनमाना होने के आधार पर कोर्ट परखता है। तीनों आधारों को देखा जाए तो शीर्ष अदालत से इसे खारिज कराना बहुत आसान नहीं लगता।

क्या है कानूनी सिद्धांत- मगर यह जरूर है कि मामले पर सुनवाई के बाद अगर सुप्रीम कोर्ट से विस्तृत फैसला आता है तो देश में धार्मिक दान की संपत्तियों के प्रबंधन पर स्पष्ट व्यवस्था आ सकती है।

वक्फ संशोधन कानून 2025 के अदालत पहुंचने पर जरूरी हो जाता है कि किसी कानून पर विचार के तय कानूनी सिद्धांतों को देखा जाए।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश एसआर सिंह कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट किसी भी कानून की वैधानिकता पर मुख्यतः तीन आधारों पर विचार करता है।

क्या है तीन परीक्षा- पहला कि जिस व्यक्ति या संस्था ने कानून पारित किया है उसे इसका अधिकार नहीं था यानी विधायी सक्षमता (लेजिस्लेटिव कांपीटेंस), दूसरा वह कानून संविधान के किसी प्रविधान या मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता हो अथवा संविधान की मूल भावना के खिलाफ हो। तीसरा मनमाने ढंग से कानून पारित होना यानी आर्बीट्रेरीनेस।

याचिकाओं का मुख्य आधार क्या है- इन तीन आधारों पर अगर वक्फ संशोधन कानून को देखा जाए तो विधायी सक्षमता की कसौटी पर संसद से घंटो बहस के बाद यह पारित हुआ है। दूसरा आधार संवैधानिक प्रविधानों के उल्लंघन का है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल द्वादशी

संपादकीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टेरिफ़ से पूरे विश्व के शेयर मार्केटों मैं हाहाकार मचा हुआ है...

वैश्विक स्तरपर दशकों से यह प्रचलन रहा है कि जब भी कोई प्राकृतिक, मानवीय मेड घटना, महायुद्ध सत्ता का पलटना, महामारी इत्यादि कुछ घटनाएं होती है तो इसका प्रभाव संबंधित अनेक क्षेत्रों में होता हुआ दिखता है। अभी हाल ही में विश्व के अनेक देशों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टेरिफ़ से पूरे विश्व के शेयर मार्केटों मैं हाहाकार मचा हुआ है और वे लहुलुहान हो गए हैं। इसी प्रकार जैसे 57 देशों के इस्लामी सहयोग संगठन, खाड़ी देश हो या फिर विकसित देशों के बीच टकराव हो इससे तेल का रेट बढ़ना,किसी राजनीतिक उलटफेर का डर या कानून से विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा शेयरों की बिकवाली से शेयर मार्केट गिरना या कोई महामारी आने से स्वास्थ्य व खाद्य क्षेत्र का चरमरा जाना इत्यादि होता है। मैंनें बचपन में हर्षद मेहता का बहुत बड़ा शेयर घोटाला तथा एक स्टांप पेपर घोटाला सुना था जिसनें उच्चस्तर तक को हिला दिया था। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि ट्रंप के विज़न अमेरिकी फर्स्ट के कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार शेयरों की बिकवाली कर भारत से पैसा समेट रहे हैं,शायद अमेरिका में लगाने का उनका विचार हो सकता है! ऐसे अनेक संभावित कारणों की चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे।चूँकि शेयर मार्केट मैं आज 7 अप्रैल 2025 को भारी मात्रा में गिरावट चिंतनीय है, एनएसई निफ्टी को साप्ताहिक मासिक एक्सपायरी दिन को मंगलवार से सोमवार किया गया है जो 4 अप्रैल 2025 से लागू हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अरे बाप रे! - पूरे विश्व का शेयर मार्केट लहूलुहान !पूरे विश्व के शेयर बाजारों में हाहाकार ! भारत में चंद मिनट में 19 लाख करोड़ स्वाहा-भारतीय शेयर बाजार में जितनी बड़ी गिरावट 7 अप्रैल को 1 दिन में देखी गई, यह पहली बार नहीं, इसके पहले भी कई बार हो चुका है-गहन चिंतन ज़रूरी है।

साथियों बात अगर हम 7 अप्रैल 2025 को शेयर बाजारलहुलुहान होने की करें तो, अमेरिका के दुनियाँ भर के 180 देशों पर टैरिफ लगाए जाने का असर अब साफ दिखना शुरु हो गया है। दुनिया भर के बाजारों में आई गिरावट के बाद अब भारतीय शेयर बाजार भी बुरी तरह ध्वस्त हो गए हैं।आज यानी 7 अप्रैल 2025 को दोनों प्रमुख सूचकांक लाल रंग के निशान पर खुले और खुलते ही शेयर बाजार में हाहाकार मच गया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 3,939.68 अंक की भारी गिरावट के साथ 71,425.01 अंक पर, निफ्टी 1,160.8 अंक फिसलकर 21,743.65 अंक पर खुला। सोमवार को दुनियाँ भर के बाजार ऐसे गिरे, जैसे सीधे पाताल लोक में समा जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से लगाए गए ज़बरदस्त टैरिफ और चीन की तीखी जवाबी कार्रवाई ने पूरी दुनियाँ के स्टॉक मार्केट को हिला कर रख दिया है। चीन ने अमेरिका से आने वाले सभी सामानों पर 34 फीसदी का टैक्स लगाने का ऐलान कर दिया है, जो 10 अप्रैल से लागू होगा। इसका असर इतना जबरदस्त रहा कि महज दो दिनों में दुनिया भर में 9 ट्रिलियन डॉलर की मार्केट वैल्यू उड़नछू हो गई।

साथियों बात अगर हम ट्रंप के टैरिफ घोषणा के बाद दुनियाँ भर के शेयर बाजारों में त्राहिमाम की करें तो, अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ घोषणाओं के बाद दुनियाँ भर के शेयर बाजार में त्राहिमाम मच गया। 7 अप्रैल 2025 का दिन कई देशों के लिए काला दिन साबित हुआ। ट्रंप के टैरिफ ने वैश्विक व्यापार युद्ध की आशंकाओं को बढ़ा दिया। जिसके कारण निवेशकों में घबराहट और अनिश्चित का माहौल बढ़ा, जिसके परिणाम स्वरूप दुनियाँ के शेयर बाजारों में बड़े पैमाने पर बिकवाली शुरू हुई। हॉन्ग कोंग ऐसे देश में टॉपर है, जिन्होंने सोमवार को सबसे ज्यादा नुकसान दर्ज किया, हैंग सेंग इंडेक्स में 7 अप्रैल 2025 को आई 13.12 पेर्सेंट से 13.60 पेर्सेंट तक की गिरावट को हाल ही के वर्षों में इंट्रा डे में आई सबसे बड़ी गिरावट कहा जा रहा है.ल। 1997 के एशियाई वित्तीय संकट के बाद आज सबसे बड़ी एकल- दिवसीय गिरावट दर्ज हुई।हांगकांग में आई बड़ी गिरावट के पीछे चीन पर लगे 34 पेर्सेंट का टैरिफ है। हांगकांग की अर्थव्यवस्था चीन पर निर्भर करती है, यहां बैंकिंग और तकनीकी क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है। हैंग सेंग 23,000 के आसपास तक लुढ़क गया।

राहुल सांकृत्यायन

महापण्डित राहुल सांकृत्यायन को हिन्दी यात्रा साहित्य का जनक माना जाता है। वे एक प्रतिष्ठित बहुभाषाविद थे और 20वीं सदी के पूर्वार्द्ध में उन्होंने यात्रा वृतांत तथा विश्व-दर्शन के क्षेत्र में साहित्यिक योगदान किए। बौद्ध धर्म पर उनका शोध हिन्दी साहित्य में युगान्तरकारी माना जाता है, जिसके लिए उन्होंने तिब्बत से लेकर श्रीलंका तक भ्रमण किया था।

जीवन परिचय- राहुल सांकृत्यायन जी का जन्म 9 अप्रैल, 1893 को पन्दहा ग्राम, ज़िला आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) में हुआ। राहुल सांकृत्यायन के पिता का नाम गोवर्धन पाण्डे और माता का नाम कुलवन्ती था। इनके चार भाई और एक बहिन थी, परन्तु बहिन का देहान्त बाल्यावस्था में ही हो गया था। भाइयों में ज्येष्ठ राहुल जी थे। पितृकुल से मिला हुआ उनका नाम केदारनाथ पाण्डे था। सन् 1930 ई. में लंका में बौद्ध होने पर उनका नाम राहुल पड़ा। बौद्ध होने के पूर्व राहुल जी दामोदर स्वामी के नाम से भी पुकारे जाते थे। राहुल नाम के आगे सांस्कृत्यायन इसलिए लगा कि पितृकुल सांकृत्य गोत्रीय है।

बाल्य काल- राहुल जी का बाल्य जीवन ननिहाल अर्थात पन्दहा ग्राम में व्यतीत हुआ। राहुल जी के नाना का नाम था पण्डित राम शरण पाठक, जो अपनी युवावस्था में फ़ौज में नौकरी कर चुके थे। नाना के मुख से सुनी हुई फ़ौजी जीवन की कहानियाँ, शिकार के अद्भुत वृत्तान्त, देश के विभिन्न प्रदेशों का रोचक वर्णन, अजन्ता-एलोरा की किवदन्तियों तथा नदियों, झरनों के वर्णन आदि ने राहुल जी के आगामी जीवन की भूमिका तैयार कर दी थी। इसके अतिरिक्त दर्जा तीन की उर्दू किताब में पढ़ा हुआ नवाजिन्दा-बाजिन्दा का शेर

सैर कर दुनिया की गाफिल ज़िन्दगानी
फिर कहाँ, ज़िन्दगी गर कुछ रही तो
नौजवानी फिर कहाँ राहुल जी को दूर देश जाने के लिए प्रेरित करने लगा। कुछ काल पश्चात् घर छोड़ने का संयोग यों उपस्थित हुआ कि घी की मटकी सम्भाली नहीं और दो सेर घी ज़मीन पर बह गया। अब नाना की डाँट का भय था, नवाजिन्दा बाजिन्दा का वह शेर और नाना के ही मुख से सुनी कहानियाँ इन सबने मिलकर केदारनाथ पाण्डे (राहुल जी) को घर से बाहर निकाल दिया।

जीवन यात्रा

राहुल जी की जीवन यात्रा के अध्याय इस प्रकार हैं-

पहली उड़ान वाराणसी तक

दूसरी उड़ान कलकत्ता तक

तीसरी उड़ान पुनः कलकत्ता तक

इसके बाद पुनः वापस आने पर हिमालय की यात्रा पर गये, सन् 1990 ई. से 1914 ई. तक वैराग्य से प्रभावित रहे और हिमालय पर यायावर जीवन जिया। वाराणसी में संस्कृत का अध्ययन किया। परसा महन्त का सहचर्य मिला, आगरा में पढ़ाई की, लाहौर में मिशनरी कार्य किया, इसके बाद पुनः घुमक्कड़ी का भूत हावी रहा। कुर्ग में भी चार मास तक रहे।

राजनीति में प्रवेश- राहुल सांकृत्यायन ने छपरा के लिए प्रस्थान किया, बाढ़ पीड़ितों की सेवा की, स्वतंत्रता आंदोलन में सत्याग्रह में भाग लिया और उसमें जेल की सज़ा मिली, बक्सर जेल में छः मास तक रहे, ज़िला कांग्रेस के मंत्री रहे, इसके बाद नेपाल में डेढ़ मास तक रहे, हज़ारी बाग़ जेल में रहे। राजनीतिक शिथिलता आने पर पुन हिमालय की ओर गये, कौंसिल का चुनाव भी लड़ा।

लंका के लिए प्रस्थान - राहुल सांकृत्यायन ने लंका में 19 मास प्रवास किया, नेपाल में अज्ञातवास किया, तिब्बत में सवा बरस तक रहे, लंका में दूसरी बार गये, इसके बाद सत्याग्रह के लिए भारत में लौटकर आये। कुछ समय बाद लंका के लिए तीसरी बार प्रस्थान किया।

यात्राएँ - राहुल सांकृत्यायन ने इंग्लैण्ड और यूरोप की यात्रा की। दो बार लद्दाख यात्रा, दो बार तिब्बत यात्रा, जापान, कोरिया, मंचूरिया, सोवियत भूमि (1935 ई.), ईरान में पहली बार, तिब्बत में तीसरी बार 1936 ई. में, सोवियत भूमि में दूसरी बार 1937 ई. में, तिब्बत में चौथी बार 1938 ई.में यात्रा की।

आंदोलन- किसान मज़दूरों के आन्दोलन में 1938-44 तक भाग लिया, किसान संघर्ष में 1936 में भाग लिया और सत्याग्रह भूख हड़ताल किया।

सज़ा, जेल और एक नये जीवन का प्रारम्भ राहुल सांकृत्यायन जी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य बने। जेल में 29 मास (1940-42 ई.) रहे। इसके बाद सोवियत रूस के लिए पुनः प्रस्थान किया। रूस से लौटने के बाद राहुल जी भारत में रहे और कुछ समय के पश्चात् चीन चले गये, फिर लंका चले गये।

महान पर्यटक- राहुल जी की प्रारम्भिक यात्राओं ने उनके चिंतन को दो दिशाएँ दीं। एक तो प्राचीन एवं अर्वाचीन विषयों का अध्ययन तथा दूसरे देश-देशान्तरों की अधिक से अधिक प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना। इन दो प्रवृत्तियों से अभिभूत होकर राहुल जी महान् पर्यटक और महान् अध्येता बने।

धर्म- कट्टर सनातनी ब्राह्मण कुल में जन्म लेकर भी सनातन धर्म की रूढ़ियों को राहुल जी ने अपने ऊपर से उतार फेंका और जो भी तर्कवादी धर्म या तर्कवादी समाजशास्त्र उनके सामने आते गये, उसे ग्रहण करते गये और शनैः शनैः उन धर्मों एवं शास्त्रों के भी मूल तत्वों को अपनाते हुए उनके बाह्य ढाँचे को छोड़ते गये।

सनातन धर्म से, आर्य समाज से और बौद्ध धर्म से साम्यवाद-राहुल जी के सामाजिक चिन्तन का क्रम है, राहुल जी किसी धर्म या विचारधारा के दायरे में बँध नहीं सके। मज्झिम निकाय के सूत्र का हवाला देते हुए राहुल जी ने अपनी जीवन यात्रा में इस तथ्य का स्पष्टीकरण इस प्रकार किया है-

बड़े की भाँति मैंने तुम्हें उपदेश दिया है, वह पार उतरने के लिए है, सिर पर ढोये-ढोये फिरने के लिए नहीं-तो मालूम हुआ कि जिस चीज़ को मैं इतने दिनों से ढूँढता रहा हूँ, वह मिल गयी।

मेधावी व्यक्तित्व के धनी- यद्यपि राहुल जी के जीवन में पर्यटक वृत्ति सदैव प्रधान रही, परन्तु उनका पर्यटन केवल पर्यटन के लिए ही नहीं रहा। पर्यटन के मूल में अध्ययन की प्रवृत्ति सर्वोपरि रही। अनेक धार्मिक एवं राजनीतिक वलयों में रहने के बाद भी उनके अध्ययन एवं चिन्तन में कभी जड़ता नहीं आने पायी। राहुल जी बाल्यकाल से ही मेधावी थे। समूचे दर्जे में अव्वल होना उनके लिए साधारण बात थी। परिस्थितियों के अनुसार जिस विषय के सम्पर्क में वे आये, उसकी पूरी जानकारी प्राप्त करना उनका व्यक्तिगत धर्म बन गया। वाराणसी में जब संस्कृत से अनुराग हुआ, तो सम्पूर्ण संस्कृत साहित्य एवं दर्शनादि को पढ़ लिया। कलकत्ता में अंग्रेज़ी से पाला पड़ा तो कुछ समय में अंग्रेज़ी के ज्ञाता बन गये। आर्य समाज का जब प्रभाव पड़ा तो वेदों को मथ डाला। बौद्ध धर्म की ओर जब झुकाव हुआ तो पाली, प्राकृत, अपभ्रंश, तिब्बती, चीनी, जापानी, एवं सिंहली भाषाओं की जानकारी लेते हुए सम्पूर्ण बौद्ध ग्रन्थों का मनन किया और सर्वश्रेष्ठ उपाधि त्रिपिटिका चार्य की पदवी पायी। साम्यवाद के क्रोड़ में जब राहुल जी गये तो कार्ल मार्क्स, लेनिन तथा स्तालिन के दर्शन से पूर्ण परिचय हुआ। प्रकारान्तर से राहुल जी इतिहास, पुरातत्त्व, स्थापत्य, भाषाशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र के अच्छे ज्ञाता थे।

घुमक्कड़ी स्वाभाव- राहुल सांकृत्यायन का मानना था कि घुमक्कड़ी मानव-मन की मुक्ति का साधन होने के साथ-साथ अपने क्षितिज विस्तार का भी साधन है। उन्होंने कहा भी था कि- कमर बाँध लो भावी घुमक्कड़ों, संसार तुम्हारे स्वागत के लिए बेकरार है। राहुल ने अपनी यात्रा के अनुभवों को आत्मसात करते हुए 'घुमक्कड़ शास्त्र' भी रचा। वे एक ऐसे घुमक्कड़ थे जो सच्चे ज्ञान की तलाश में था और जब भी सच को दबाने की कोशिश की गई तो वह बागी हो गये। उनका सम्पूर्ण जीवन अन्तर्विरोधों से भरा पड़ा है।

वेदान्त के अध्ययन के पश्चात् जब उन्होंने मंदिरों में बलि चढ़ाने की परम्परा के विरुद्ध व्याख्यान दिया तो अयोध्या के सनातनी पुरोहित उन पर लाठी लेकर टूट पड़े। बौद्ध धर्म स्वीकार करने के बावजूद वह इसके 'पुनर्जन्मवाद' को नहीं स्वीकार पाए। बाद में जब वे मार्क्सवाद की ओर उन्मुख हुए तो उन्होंने तत्कालीन सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी में घुसे सत्तालोलुप सुविधापरस्तों की तीखी आलोचना की और उन्हें आन्दोलन के नष्ट होने का कारण बताया।

सन् 1947 में अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष रूप में उन्होंने पहले से छपे भाषण को बोलने से मना कर दिया एवं जो भाषण दिया, वह अल्पसंख्यक संस्कृति एवं भाषाई सवाल पर कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियों के विपरीत था। नतीजन पार्टी की सदस्यता से उन्हें वंचित होना पड़ा, पर उनके तेवर फिर भी नहीं बदले। इस कालावधि में वे किसी बंदिश से परे प्रगतिशील लेखन के सरोकारों और तत्कालीन प्रश्नों से लगातार जुड़े रहे। इस बीच मार्क्सवादी विचारधारा को उन्होंने भारतीय समाज की ठोस परिस्थितियों का आंकलन करके लागू करने पर ज़ोर दिया। अपनी पुस्तक 'वैज्ञानिक भौतिकवाद' एवं 'दर्शन-दिग्दर्शन' में इस सम्बन्ध में उन्होंने सम्यक प्रकाश डाला। अन्ततः सन् 1953-54 के दौरान पुनः एक बार वे कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य बनाये गये।

Zomato के COO रिन्शुल चंद्रा ने दिया इस्तीफा, क्या शेयरों में देखने को मिलेगा असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 5 अप्रैल यानी शनिवार के दिन जोमैटो की पूर्ण सीओओ रिन्शुल चंद्रा ने कंपनी के सीईओ को इस्तीफा दे दिया था। उनका आखिरी दिन 7 अप्रैल को था। उन्होंने जोमैटो के सीईओ दीपेंद्र गोयल को ईमेल कर रिजाइनेशन का कारण भी बताया है।

जोमैटो की पूर्ण सीओओ रिन्शुल चंद्रा ने साल 2018 में कंपनी को ज्वाइन किया था। जिसके बाद साल 2023 से वे जोमैटो के लिए सीओओ के रूप में काम कर रहे थे। इसके साथ ही कंपनी की तरफ से अभी तक ये ऐलान नहीं किया गया है कि वे रिन्शुल के बदले किसे सीओओ के पोस्ट पर रखने वाले है।

ईमेल के जरिए बताया रिजाइनेशन का कारण- मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रिन्शुल चंद्रा ने जोमैटो के सीईओ दीपेंद्र गोयल को एक ईमेल लिखा है। इस ईमेल के जरिए उन्होंने अपने इस्तीफा का कारण भी स्पष्ट किया है। ईमेल के अनुसार रिन्शुल चंद्रा ने ये फैसला अपनी ग्रोथ या बढ़ोतरी को देखते हुए लिया है। इसके साथ ही वे अच्छे अवसर की भी तलाश कर रहे हैं।

ईमेल में पूर्ण सीओओ ने क्या लिखा- रिन्शुल चंद्रा ने कंपनी के सीईओ को ईमेल लिखते हुए कहा कि दिपी, मैं अपने सीओओ पद से इस्तीफा दे रहा हूं। इसके साथ ही उन्होंने कंपनी का नाम Food Ordering & Delivery business Eternal Limited लिखा था। उन्होंने ये ईमेल 5 अप्रैल को सेंड किया था। उनका लास्ट वर्किंग डे 7 अप्रैल 2025 रहा। इसके साथ ही उन्होंने इस्तीफा का कारण बताते हुए लिखा कि वे नए अवसर और पसर्नल और प्रोफेशनल ग्रोथ की वजह से रिजाइन कर रहे हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कंपनी में बिताए गए सात साल के अवसर पर मिलने वाले मौके, तरीकी अन्य चीजों के लिए धन्यवाद भी किया।

जोमैटो के शेयर पर कितना दिखा असर- इस खबर का अभी तक जोमैटो के शेयर पर असर देखने को नहीं मिला है। अभी लिखते समय बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के सेंसेक्स में जोमैटो के शेयर 8.30 फीसदी बढ़ोतरी के साथ ट्रेड कर रहे हैं। अभी इसके एक शेयर की कीमत 218.05 रुपये है।

83 वाले शेयर में तगड़ा उछाल, कंपनी को मिले हैं 3 बड़े काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार की रिकवरी के बीच नवरत्न पीएसयू एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के शेयरों को खरीदने की लूट मच गई। सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को बीएसई पर यह शेयर 5 फीसदी उछलकर 83.31 रुपये पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में शेयर की कीमत 4.63त्न बढ़कर 83.11 रुपये पर पहुंच गई। एनबीसीसी लिमिटेड के शेयर में यह तेजी कंपनी को मिले एक ऑर्डर की वजह से आई है। एनबीसीसी ने 120.9 करोड़ रुपये के नए वर्क ऑर्डर हासिल किए हैं। एनबीसीसी के 120 करोड़ रुपये के ऑर्डर में तीन प्रोजेक्ट शामिल हैं। इसमें आंध्र प्रदेश के गुडीवाड़ा में 46.69 करोड़ रुपये की लागत से एक बहुमंजिला न्यायालय भवन का निर्माण, भीमावरम में 72.17 करोड़ रुपये की लागत से 14 न्यायालय भवन परिसर और नई दिल्ली में 2.04 करोड़ रुपये की लागत से टीईसी बिल्डिंग का नवीनीकरण कार्य शामिल है। इसके अलावा, एनबीसीसी ने 7 अप्रैल को रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ पांच साल की अवधि के लिए भारत और विदेशों में संयुक्त रूप से डेटा सेंटर परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। बीते मार्च में कंपनी को उत्तराखंड निवेश व अवसंरचना बोर्ड (यूआईआईडीबी) से 439 करोड़ रुपये का ठेका मिला था।

लगातार गिरावट के बीच सोशल मीडिया पोस्ट से कैसे आई यूएस बाजार में रौनक?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2 अप्रैल देर रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा की थी। जिसके बाद से ही विश्व अर्थव्यवस्था डगमगाई हुई है। अमेरिका में आर्थिक मंदी का आसार है। वहीं कल से ही अमेरिकी स्टॉक मार्केट में बिकवाली देखी गई है।

लेकिन कल यानी 7 अप्रैल को यूएस शेयर बाजार के लिए ऐसा समय भी रहा, जब एक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण बड़ी उछाल देखी गई। हालांकि ये उछाल कुछ वक्त के लिए थी। इस बात से ही पता चलता है कि टैरिफ खबरों का शेयर बाजारों पर कितना प्रभाव पड़ रहा है।

सोशल मीडिया पोस्ट पर क्या साझा हुआ - सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर टैरिफ को लेकर एक पोस्ट साझा होती है। ये पोस्ट Walter Bloomberg नामक अकाउंट ने साझा की थी। इस अकाउंट के एक्स प्लेटफॉर्म पर 1 मिलियन फॉलोवर है।

पोस्ट में लिखा गया, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सभी देशों के लिए 90 दिन तक टैरिफ रोकने का फैसला किया। हालांकि इसमें चीन शामिल नहीं है। इस पोस्ट में केविन हैसेट, नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल का संदर्भ दिया है।

यूएस स्टॉक मार्केट में दिखा असर- इस पोस्ट के साझा होने के बाद यूएस स्टॉक मार्केट में अचानक एक उछाल देखा गया। S&P 500 जो 4.7 फीसदी डाउन चल रही थी। उसमें एकदम से ही 3.4 फीसदी का उछाल देखा गया। हालांकि ये बढ़ोतरी कुछ समय के लिए रही।

इसके साथ ही सीएनबीसी चैनल में भी सुबह 10.15 बजे टैरिफ रोकने को लेकर एक खबर चली। सीएनबीसी का कहना था कि उन्होंने ये खबर राउटर एजेंसी द्वारा ली गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 10.08 से लेकर 10:18 बजें तक यानी लगभग 10 मिनट में S&P 500 में लगभग 2.4 ट्रिलियन जोड़े गए। हालांकि इसके बाद अमेरिकी बाजार में फिर से बिकवाली शुरू हो गई।

क्या है रेपो रेट, जिसमें आरबीआई करेगा कटौती, कैसे पड़ेगा आपकी जेब पर असर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने एलपीजी सिलेंडर के दामों में इजाफा की घोषणा की। इसके साथ ही पेट्रोल-डीजल में लगने वाले उत्पाद शुल्क में भी 2-2 रुपये की बढ़ोतरी की।

हालांकि इसका असर आज पेट्रोल-डीजल के दामों में देखने को नहीं मिला है। आज 8 अप्रैल को पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव दर्ज नहीं किया गया है। इसके साथ ही कल भारतीय शेयर बाजारों के लिए भी ब्लेक मंडें रहा।

ऐसे में आरबीआई के रेपो रेट में होने वाली कटौती आम आदमी को राहत देने का काम कर सकती है। देश की केंद्रीय बैंक, एक साल हर दो महीने बाद मौद्रिक समिति की बैठक आयोजित करती है। इस बैठक में भविष्य में रेपो रेट और अन्य वित्तीय संबंधित निर्णय लिए जाते हैं।

आपकी जेब क्या होगा असर- बैंकों पर असर- रेपो रेट वाणिज्यिक बैंकों के लिए लोन के ब्याज दर की तरह का काम करता है। इसके जरिए बैंक आरबीआई से शॉर्ट टर्म लोन लेते हैं। इस लोन को एक समय सीमा के हिसाब से दिया जाता है। लेकिन अगर बैंकों को लंबे समय के लिए लोन लेना है, तो वे बैंक रेट के हिसाब से लेते हैं।

डेली सेविंग से हर दिन इतने रुपये बचाकर ऐसे बनेगा करोड़ों का फंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईपी म्यूचुअल फंड में निवेश करने का सबसे आसान तरीका है। आज म्यूचुअल फंड से करोड़ों लोग जुड़ चुके हैं। अक्सर ये गलत फेमी रहती है कि म्यूचुअल फंड में निवेश करने के लिए अच्छी खासी सेविंग की जरूरत है। लेकिन आप हर दिन की कुछ रुपये की बचत कर एक मोटा फंड तैयार कर सकते हैं।

आप हर दिन 50, 100 और 500 रुपये की बचत के साथ करोड़पति बन सकते हैं। इसके साथ ही आपको एसआईपी में कम्पाउंडिंग का फायदा भी मिलता है। इसके साथ ही इमरजेंसी पड़ने पर आप एसआईपी को रोक भी सकते हैं। वहीं निवेश रकम को भी जब चाहे बढ़ाया जा सकता है।

कैसे बनेगा करोड़ों रुपये का फंड- हमने

नीचे बताए गए कैलकुलेशन में अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी माना है। क्योंकि म्यूचुअल फंड एसआईपी में मिलने वाला अनुमानित रिटर्न 12 फीसदी होता है। हालांकि ये रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। ऐसा भी माना जाता है कि एसआईपी में आपको 12 से 14 फीसदी तक रिटर्न मिल जाता है।

अगर आप एसआईपी में निवेश करना चाहते हैं, तो इसे महज 250 रुपये निवेश कर शुरू कर सकते हैं। इसके साथ ही हर दिन कुछ रुपये की बचत के साथ भी एक करोड़ रुपये का मौटा फंड तैयार किया जा सकता है।

50 रुपये- अगर आप हर दिन 50 रुपये बचाते हैं, तो एक महीने आप 1500 रुपये की बचत कर लेते हैं। वहीं एसआईपी में हर महीने 1500 रुपये निवेश कर 37 सालों में 1,04,09,777 रुपये का फंड बनकर तैयार हो जाता है। इन 37 सालों में लगभग 6,66,000 रुपये का फंड तैयार करते हैं। इस तरह से आप 50 रुपये की बचत के साथ करोड़पति बन सकते हैं।

100 रुपये- ऐसे ही अगर आप हर दिन 100 रुपये बचाते हैं, तो एक महीने में 3000 रुपये की बचत कर लेंगे। वहीं अगर म्यूचुअल फंड एसआईपी में हर महीने 3000 रुपये निवेश किए जाते हैं, तो 32 साल बाद आप करोड़पति बन सकते हैं। आप इन 32 सालों में 11,52,000 रुपये निवेश करते हैं। इसके साथ ही 12 फीसदी रिटर्न के हिसाब से 1,16,75,513 रुपये कुल रिटर्न मिलेगा।

500 रुपये- इस तरह से आपको हर दिन 500 रुपये बचाने होंगे। जिससे आपका महीने 15000 रुपये का फंड बन जाएगा। अगर आप हर महीने म्यूचुअल फंड एसआईपी में 15000 रुपये निवेश करते हैं, तो 18 साल में ही करोड़पति बन जाएंगे।

अमेरिकी टैरिफ के बावजूद एशियाई बाजारों में छाई रौनक, क्या भारतीय शेयर बाजार में भी आएगी रिकवरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी टैरिफ के बाद भारतीय शेयर बाजार में कल भारी बिकवाली देखी गई । आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 2226 अंक गिरकर 73,137 पर क्लोज हुए थे। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 742 अंक लुढ़ककर 22,161 पर बंद हुआ था।

वहीं कल यानी सोमवार को एशियाई बाजारों में बिकवाली देखी गई थी। हालांकि आज मंगलवार सुबह 5.30 बजे (भारतीय समय अनुसार) एशियाई बाजारों के इंडेक्स की शुरुआत हरे निशान पर हुई है। इस हफ्ते दूसरे कारोबारी दिन एशियाई बाजारों की एक अच्छी शुरुआत हुई है।

ऐसा कह सकते हैं कि ट्रंप के टैरिफ का एशियाई बाजारों में कोई प्रभाव नहीं दिख रहा है।

एशियाई बाजारों में छाई हरियाली

अभी लिखते समय जापान का निक्की 1900 अंक की बढ़ोतरी के साथ 33,030.66 पर ट्रेड कर रहा है। इसमें लगभग 6 फीसदी का इजाफा दर्ज हुआ है। खुलने के लगभग 30 मिनट बाद की जापान के निक्की 225 अंक की बढ़ोतरी के साथ 32819.08 पर ट्रेड कर रहा था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

दमोह में 7 मरीजों की जान लेने वाला कथित डॉक्टर प्रयागराज से गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेज से ली थी नौकरी

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह जिले के मिशन अस्पताल में इस साल जनवरी और फरवरी में 15 मरीजों की हृदय सर्जरी के बाद सात लोगों की असामयिक मौत का मामला सामने आया है। इस घटना के मुख्य आरोपी कथित सर्जन डॉ. नरेंद्र यादव उर्फ एन जॉन केम को दमोह पुलिस ने सोमवार 7 अप्रैल 2025 को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से गिरफ्तार कर लिया।

उसके खिलाफ रविवार देर रात कोतवाली थाने में धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। इस बीच, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फर्जी डॉक्टरों की जांच के सख्त निर्देश दिए हैं।

पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि आरोपी को दमोह लाया जा रहा है और मामले से जुड़े कई दस्तावेज जब्त किए गए हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की टीम ने भी इस प्रकरण की जांच शुरू कर दी है, जो पीड़ितों के बयान दर्ज कर रही है। यह मामला चिकित्सा क्षेत्र में लापरवाही और फर्जीवाड़े की गंभीर समस्या को उजागर करता है।

पुलिस ने प्रयागराज से दबोचा आरोपी

दमोह पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी नरेंद्र यादव को प्रयागराज से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने बताया कि रविवार रात 2 बजे कोतवाली थाने में मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. एमके जैन की शिकायत पर प्रकरण दर्ज हुआ था।

जांच में पता चला कि नरेंद्र यादव का पंजीयन मध्य प्रदेश मेडिकल काउंसिल में नहीं है और आंध्रप्रदेश मेडिकल काउंसिल की वेबसाइट पर भी उसका नाम नहीं मिला। इसके बावजूद उसने मिशन अस्पताल में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी जैसी जटिल सर्जरी कीं, जिसके बाद सात मरीजों की मौत हो गई। पुलिस ने कई दस्तावेज जब्त किए हैं और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

फर्जी दस्तावेजों से हासिल की थी नौकरी दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर को इस मामले की शिकायत मिलने के बाद उन्होंने सीएमएचओ को जांच के निर्देश दिए थे। जांच में पता चला कि नरेंद्र यादव ने लंदन के मशहूर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एन जॉन केम के नाम का इस्तेमाल कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मिशन अस्पताल में नौकरी हासिल की थी।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि वह काम छोड़कर चला गया था। दस्तावेजों से यह भी खुलासा हुआ कि जिन मरीजों की मौत हुई, उनकी सर्जरी नरेंद्र यादव ने ही की थी। उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए फर्जी कागजातों का सहारा लिया और मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया।

सात मरीजों की मौत मिशन अस्पताल में हुई सात मौतों में से पांच पीड़ितों के नाम सामने आए हैं। इनमें सत्येंद्र सिंह राठौर (लाडनबाग हथना), रहीसा बेग (पुराना बाजार नंबर-2), इजरायल खान (डॉ. पसारी के पास), बुद्धा अहिरवाल (बरतलाई पटेरा) और मंगल सिंह राजपूत (बरतलाई पटेरा) शामिल हैं। सभी दमोह जिले के निवासी थे। इन मौतों के लिए नरेंद्र यादव को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

पीड़ितों के स्वजनों का आरोप है कि अस्पताल ने उन्हें गुमराह किया और भारी फीस वसूलने के बाद बिना पोस्टमार्टम के शव सौंप दिए।

पीड़ितों के बयान दर्ज राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की तीन सदस्यीय टीम ने सोमवार को दमोह पहुंचकर जांच शुरू की। टीम ने सर्किट हाउस में पीड़ित परिवारों के बयान दर्ज किए, जिसमें पहले दिन तीन परिवारों ने अपनी बात रखी। शेष बयान मंगलवार को लिए जाएंगे। इसके बाद टीम देर शाम मिशन अस्पताल पहुंची और रात 9 बजे तक जांच जारी रखी।अस्पताल स्टाफ से पूछताछ के साथ-साथ रिकॉर्ड की गहन पड़ताल की गई। एनएचआरसी अस्पताल की मान्यता, डॉक्टरों की नियुक्ति, और आयुष्मान भारत योजना के तहत भुगतान जैसे पहलुओं की जांच कर रही है। हालांकि, टीम ने मीडिया से कोई बातचीत नहीं की।

सीएमएचओ की अनदेखी पर सवाल

दमोह बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष दीपक तिवारी ने बताया कि नरेंद्र यादव ने जनवरी-फरवरी 2025 में 15 हृदय रोगियों की सर्जरी की थी, जिसमें सात की मौत हुई। कुछ मरीजों के स्वजनों ने फरवरी में सीएमएचओ डॉ. मुकेश जैन से शिकायत की थी, लेकिन उनकी ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद मार्च में एनएचआरसी से शिकायत की गई, जिसके बाद यह मामला प्रकाश में आया। तिवारी ने सीएमएचओ की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं और इसकी जांच की मांग की है।

तेलंगाना में भी फर्जीवाड़े का इतिहासआरोपी नरेंद्र यादव का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके आधार कार्ड के मुताबिक वह देहरादून का निवासी है और उसका नाम नरेंद्र जॉन केम है।

मध्य प्रदेश में अगले महीने बदले जाएंगे कांग्रेस अध्यक्ष शुरुआत देवास, सतना, उज्जैन, उमरिया से

भोपाल। संगठन के सशक्तीकरण के लिए कांग्रेस अब नई टीम को मैदान में उतार रही है। इसके तहत प्रदेश कांग्रेस में परिवर्तन के बाद अब जिला इकाइयों के अध्यक्ष बदले जाएंगे। अगले माह के अंत तक यह प्रक्रिया पूरी होगी।

इसमें उन अध्यक्षों के स्थान पर पहले नई नियुक्तियां होंगी, जहां बरसों से एक ही व्यक्ति अध्यक्ष है। इसमें देवास, सतना, उज्जैन, उमरिया शामिल हैं। पार्टी ने तय किया है कि सहमति बनाकर नए लोगों को अवसर दिया जाएगा। आधे से अधिक पदाधिकारी 50 वर्ष से कम आयु के बनाए जाएंगे। कमल नाथ के समय के अधिकांश जिलाध्यक्ष अधिकतर जिलाध्यक्ष तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष कमल नाथ के समय नियुक्त किए गए थे। कांग्रेस ने वर्ष 2025 को संगठन वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसमें संगठन को मजबूत बनाने के लिए नई टीम बनाई जा रही है। नए चेहरों को अवसर दिया जा रहा है। चुनाव से लेकर बूथ प्रबंधन तक के लिए अलग-अलग समितियां गठित की गई हैं। अब जिला इकाइयों में आगामी चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन किया जा रहा है।

दामाद राहुल देव और उनकी पत्नी क्षत्रिय समाज से बाहरज खुद को घोषित किया था 14वां राजा

दतिया। अब देश में लोकतंत्र का राज है, फिर भी पुरानी मान्यताओं के आधार राजशाही की परंपरा दतिया में है। यहां के राजपरिवार में विवाद गहरा गया है।

परिवार के दामाद राहुल देव सिंह ने रामनवमी के दिन समारोह आयोजित कर राज्याभिषेक कर खुद को 14वां राजा घोषित कर दिया था। अपना नया नामकरण दतिया रियासतकाल के आखिरी राजा गोविंद सिंह जूदेव के नाम पर गोविंद सिंह जूदेव कर लिया है, वहीं दतिया राजपरिवार और क्षत्रिय समाज ने समारोह को पूरी तरह फर्जी करार देते हुए विरोध किया। समाज ने क्यों किया राहुल देव सिंह का विरोध

दतिया राजपरिवार के महाराजा गोविंद सिंह जूदेव दतिया के अंतिम शासक थे, जिनका निधन 1951 में हुआ। उनके दो पुत्र बलभद्र सिंह और जसवंत सिंह हुए। बलभद्र सिंह के बाद महाराजा किशन सिंह बने।

उनके निधन के बाद महाराज की पदवी राजेंद्र सिंह को मिली। उनकी मृत्यु के बाद 30 अप्रैल 2020 को उनके ज्येष्ठ पुत्र अरुणादित्य देव को 14वां राजा घोषित किया गया था।

ऐसे में वर्तमान राजा के होते हुए परिवार के दामाद के राज्याभिषेक को क्षत्रिय समाज ने परंपरा के विपरीत बताया है, क्योंकि वह जसवंत सिंह के परिवार के दामाद है।

राहुल देव सिंह ने भी रखा अपना पक्ष

विरोध को लेकर राहुल देव सिंह का कहना है कि जिसको उनका यह कदम बुरा लग रहा है, उसकी अपनी राय हो सकती है, लेकिन उन्होंने अपनी वंश परंपरा को निभाया है। कुछ लोग उनके समाज से बहिष्कृत करने की बात कह रहे हैं तो कहने दो। वसीयत को बताया था वजह राज्याभिषेक के आमंत्रण बांटे जाने के बाद से ही विवाद गहरा गया। इसके बाद राजपरिवार के संरक्षक पूर्व विधायक घनश्याम सिंह और वर्तमान महाराज अरुणादित्य देव ने आयोजन को गलत बताया था। उन्होंने राहुल देव सिंह की इस बात को भी गलत बताया कि उनकी दादी सास पद्माकुमारी की वसीयत में दामाद के राज्याभिषेक की बात है, जबकि पूर्व में भी राजघराने में जमीन को लेकर विवाद के दौरान ही उनकी वसीयत सामने आ चुकी है। उसमें ऐसा कोई उल्लेख नहीं था। घनश्याम सिंह ने वसीयत के ही कूटरचित होने का दावा किया था।

चोटी बचाने के लिए पाकिस्तान से आए थे, आज भी जनेऊ संस्कार के बगैर नहीं होती शादी

ग्वालियर। चोटी और जनेऊ सनातन धर्म के प्रतीक हैं। राष्ट्र का विभाजन होने के बाद सिंधी समाज के लोग इन्हीं की रक्षा के लिए पाकिस्तान से अपना घर व व्यवसाय छोड़कर पलायन कर आए थे।

आज के दौर में भी इस संस्कार की सिंधी समाज में काफी मान्यता है। इस संस्कार को पीढ़ी दर पीढ़ी पहुंचाने के लिए मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित पूज्य सिंधु हिंदू जनरल पंचायत की पंगति सुधार कमेटी वैशाखी पर 13 अप्रैल को सामूहिक जनेऊ संस्कार दानाओली स्थित झूलेलाल मंदिर के पास पंचायत कार्यालय में आयोजित करेगी। यह क्रम पिछले 25 वर्षों से चला आ रहा है। हर की पौड़ी से मंगाया गंगाजल और वृंदावन से पोशाक

कमेटी का दावा है कि इस वर्ष 300 के लगभग बच्चों का जनेऊ संस्कार परंपरागत रूप सारस्वत ब्राह्मण मंडल द्वारा विधि विधान के साथ कराया जाएगा। इसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं।

सिंधु वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष विजय वलेचा ने सामूहिक जनेऊ संस्कार की शुरुआत पंचायत के मुखिया श्रीचंद वलेचा ने 25 वर्ष पूर्व की थी, जो कि अनवरत रूप से जारी है। जनेऊ संस्कार के लिए हरिद्वार की हर पौड़ी से पवित्र गंगाजल मंगाया जा रहा है।

इसके साथ ही जनेऊ धारण करने वाले बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के रूप सजाने की परंपरा है। इसलिए मथुरा-वृंदावन से

उनकी दीर्घायु की कामना के साथ यह पोशाक भी मंगाई गई हैं। बैंड-बाजों के साथ यज्ञोपवीत संस्कार कराया जाएगा।

यज्ञोपवीत संस्कार में जनेऊ धारण करने वाले बच्चों को टावल के साथ अंडरगारमेंट, वृंदावन से मंगाई पोशाक और एक मिठाई का डिब्बा दिया जाता है। यज्ञोपवीत संस्कार सनातन धर्म में काफी महत्व रखता है,इसलिए बच्चे के परिवार व नाते रिश्तेदारों के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था की जाती है।

समाज के 45 लाख रुपये की बचत होगी

जनेऊ संस्कार परिवार में आयोजित करने पर 15 से 20 हजार रुपये खर्च आता हैं। कुछ परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण सामूहिक जनेऊ संस्कार कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। इस बार समाज के 300 के लगभग बच्चों के सामूहिक जनेऊ संस्कार होने की संभावना हैं। इससे समाज के लोगों का 45 लाख रुपया और जनेऊ के लिए सामान जुटाने में समय बचेगा। विवाह के लिए यज्ञोपवीत संस्कार जरूरी

कॉलेजों में प्राचार्य एवं प्रोफेसरों को सार्थक ऐप में उपस्थिति अंकित कराना जरूरी

शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर की जाएगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर संभाग के सभी शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत शैक्षणिक अधिकारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संयुक्त आयुक्त श्री डी.एस. रणदा, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ. आर.सी. दीक्षित, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री अजय वर्मा सहित संभाग के विभिन्न शासकीय एवं अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने संभाग के सभी शासकीय कॉलेजों के प्राचार्य एवं प्रोफेसर को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपनी उपस्थिति सार्थक ऐप में अवश्य अंकित करायें। साथ ही वे संस्थान में रोजाना कितने घंटे कार्य कर रहे हैं, इसकी जानकारी भी सार्थक ऐप में दर्ज कराना सुनिश्चित करें। जो प्राचार्य, प्रोफेसर एवं कर्मचारी अध्यापन एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही बरतेंगे या शासकीय नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी।

संभागायुक्त श्री सिंह ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री अजय वर्मा को जिम्मेदारी देते हुए कहा कि आज बैठक में जिन अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित नहीं हुए, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाये। संभागायुक्त श्री सिंह ने अतिरिक्त संचालक डॉ. आर.सी. दीक्षित को कहा कि संभाग के सभी शासकीय कॉलेजों के ऐसे प्रोफेसरों की सूची बनायी जाये, जिनके मार्गदर्शन में शोधार्थी छात्र पीएचडी कर सकते हैं। जिन महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम नहीं है, वहाँ रिसर्च सेंटर बनाये जाये ताकि पीएचडी करने वाले विद्यार्थियों को सुविधा मिल सके।

मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर में

जीआईएस की निवेश प्रतिबद्धताओं को धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

इंदौर। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन 27 अप्रैल को इंदौर में किया जाएगा। यह ऐतिहासिक सम्मेलन राज्य में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2025 में की गई निवेश प्रतिबद्धताओं को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में इस आयोजन में राज्य की प्रौद्योगिकी नेतृत्व की दिशा में रोडमेप प्रस्तुत किया जायेगा। आईटी एवं संबंधित क्षेत्रों में राज्य सरकार के निवेश कार्यान्वयन नीति को गति देने और राज्य को एक प्रमुख प्रौद्योगिकी गंतव्य के रूप में उभारने के लिये यह आयोजन महत्वपूर्ण होगा। यह निवेश प्रगति को ट्रेक पर लाने, नीतिगत निर्णयों को सामने लाने और सहयोग बढ़ाने के लिये एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा इस अवसर पर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी की जाएंगी। इनमें आईआईटी इंदौर दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन का भूमि-पूजन, बीईएल में एआई टेक्नोलॉजी का उपयोग करने वाले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का उद्घाटन और नई सेटर्स ऑफ एक्सीलेंस, एव्हीजीसी-एक्सआर प्रयोगशालाएं और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर शामिल हैं। इससे सरकार, अकादमी और उद्योगों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जीआईएस-2025 के आयोजन के बाद आईटी क्षेत्र में मध्यप्रदेश के निवेश को बढ़ाने के लिये किये गये प्रयासों की प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही प्रमुख परियोजनाओं जैसे एलटीआई माइंडट्री (आईटी/आईटीईएस), इंदौर सुपर कॉरिडोर केंपस (इन्फ्रा), पीपीपी टॉवर इंदौर (इन्फ्रा), सीटीआरएलएस (डाटा सेंटर) और पंचशील (इन्फ्रा डेवलपर) जैसी परियोजनाओं का भूमिपूजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एसडीडब्ल्यूएएन (नेटवर्क), ऑपटिकल फाइबर (डिजिटल इन्फ्रा), आईटी पार्क प्लॉट अलॉटमेंट फॉर 12 कंपनीस (इन्फ्रा), केयनीस (ईएमसी) परियोजनाओं को लेटर्स ऑफ अलॉटमेंट सौंपे जाएंगे।

कॉन्क्लेव में 300 से अधिक उद्योगपति, नीति निर्माता और निवेशक भाग लेंगे, जो राज्य में आईटी और संबंधित क्षेत्रों में प्रगति पर चर्चा करेंगे। इस दौरान आईटी-आईटीईएस, ईएसडीएम, सेमिकंडक्टर्स, एव्हीजीसी-एक्सआर, डेटा सेंटर्स, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) और ड्रोन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में निवेश की प्रगति की समीक्षा की जायेगी। मुख्य उद्घाटन में सिंहासा आईटी पार्क, इंदौर में स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर एआई और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट सेंटर (एसडीसी) का उद्घाटन शामिल है। साथ ही 25 करोड़ रूपये की राशि से विकसित जबलपुर आईटी पार्क ब्लॉक बी का उद्घाटन भी किया जायेगा, जिससे 500 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस आयोजन में एआई एण्ड सायबर सिक्योरिटी (डीएसटी और मेनिट तथा एक उद्योग भागीदार के साथ), सेमिकंडक्टर्स (डीएसटी और आईआईआईटीएम ग्वालियर के साथ), ड्रोन स्कूल (डीएसटी और आईआईएसईआर भोपाल के साथ), एव्हीजीसी-एक्सआर सीओई (डीएसटी और एफआईसीसीआई तथा एमपी एव्हीजीसी-एक्सआर एसोसिएशन के साथ) और एव्हीजीसी-एक्सआर लैब्स (डीएसटी और एफआईसीसीआई तथा मध्यप्रदेश के शासकीय आर्ट्स् कॉलेजों के साथ) के लिए आगामी सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस के लिए एमओयू और समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। यह साझेदारी राज्य की प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। निवेश सुविधा को और सरल बनाने के लिए, मध्यप्रदेश सरकार एक समर्पित पोर्टल लॉन्च करेगी, जो परियोजनाओं की वास्तविक समय में निगरानी और कार्यान्वयन को बढ़ावा देगा। इसके अतिरिक्त, 4 नई नीति मार्गदर्शिकाएँ जारी की जाएंगी, जो मध्यप्रदेश को प्रौद्योगिकी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगी। कॉन्क्लेव में प्रमुख उद्योग हस्तियों को एमपी ब्रांड एंबेसडर के रूप में सम्मानित किया जायेगा। इससे राज्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को स्वीकार किया जायेगा।

एक ही पते पर संचालित दो खाद्य प्रतिष्ठान में पाई गई अनियमितताएं

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार इंदौर जिले में खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के दल द्वारा विगत 22 नवम्बर 2024 को तिरूपति बेकर्स एवं कन्फेक्शनर्स, ग्राम बड़ियाकिमा, नेमावर रोड, इन्दौर का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थ जैली एवं वेफर्स मैदा एवं खारी के 02 नमूने लिये गये थे, जिनमें से खाद्य पदार्थ वेफर्स मिथ्याछाप होना पाया गया था, जिसके आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा प्रकरण को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है। उक्त पते पर ही परिसर के प्रथम तल पर संचालित फर्म तिरूपति कन्फेक्शनर्स का निरीक्षण खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा किया गया था तथा मौके पर खाद्य पदार्थ खारी एवं मैदा के नमूने लिये गये थे, जिनमें से खाद्य पदार्थ मैदा खाद्य विश्लेषक, राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल द्वारा असुरक्षित घोषित किया गया था। खाद्य कारोबारकर्ता द्वारा खाद्य पदार्थ मैदा की जांच रिपोर्ट के विरूद्ध अपील की गई थी जिसके अनुसार उक्त नमूने के द्वितीय भाग को पुनः जांच हेतु रेफरल लेब, पुणे भेजा गया था। रेफरल लेब की जांच रिपोर्ट द्वारा भी उक्त मैदा का नमूना असुरक्षित पाया गया है। उक्त लिये गये नमूनों तथा असुरक्षित खाद्य पदार्थ से सम्बंधित प्रकरण अभियोजन स्वीकृति हेतु कार्यालय आयुक्त, खाद्य सुरक्षा मध्यप्रदेश की ओर प्रेषित किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा विगत 22 जनवरी 2025 को तिरूपति बेकर्स एवं कन्फेक्शनर्स का पुनः निरीक्षण किया गया।

पंजीयन से शेष रहे किसानों के लिए पंजीयन का एक और अवसर

इंदौर। इंदौर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए अभी तक 35 हजार से अधिक किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। जिले में पंजीयन से शेष रहे किसानों के लिए एक और अवसर राज्य शासन द्वारा दिया गया है। ऐसे किसान जिन्होंने अपना पंजीयन नहीं कराया है, वे 9 अप्रैल तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। पूर्व में पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च थी।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने जिले की सभी समितियों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे पंजीयन तिथि वृद्धि की सूचना सभी किसानों तक पहुँचायें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा है कि पंजीयन केंद्र के समिति प्रबंधक, ऑपरेटर तथा उपार्जन से संबंधित अमले को पाबंद करें कि कोई भी इच्छुक किसान पंजीयन से शेष न रहे, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार स्थानीय स्तर पर किया जाये। पंजीयन से शेष रहे किसानों को फोन करके सूचित कर पंजीयन की तिथि 9 अप्रैल तक बढ़ाई गई है कि सूचना देकर पंजीयन करना सुनिश्चित करें। समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए किसानों का पंजीयन होना अनिवार्य है। पंजीयन से शेष और इच्छुक किसान अपने निकटतम गेहूं खरीदी पंजीयन केंद्र पर या एमपी ऑनलाइन कियोस्क तथा मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे अपना पंजीयन कर सकते है।

स्कूल शिक्षा विभाग का एजुकेशन पोर्टल-3.0 शुरू

इंदौर। स्कूल शिक्षा विभाग में अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यों के क्रियान्वयन की मॉनीटरिंग तथा परिणामों की समीक्षा के लिये डिजिटल प्लेटफार्म तैयार किया गया है। इस प्लेटफार्म पर विभिन्न स्तरों पर जानकारी की त्वरित उपलब्धता तथा उनके आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही की व्यवस्था की गयी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष एक अप्रैल, 2025 को एजुकेशन पोर्टल-3.0 शुरू किया है।

विद्यार्थी प्रवेश प्रणाली- प्रदेश में एक अप्रैल से नवीन अकादमिक सत्र में सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में प्रवेश की कार्यवाही एजुकेशन पोर्टल-3.0 पर की जा रही है। इसके लिये स्टूडेंट डायरेक्ट्री मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया गया है। पोर्टल पर कक्षा-1 में संभावित पात्र विद्यार्थियों की सूची संबंधित शाला को उनके ग्राम और बसाहट के अनुसार प्रदर्शित की गई है। इस सुविधा से पात्र विद्यार्थियों को प्रवेश कराने में सुलभता होगी। शाला प्रभारी द्वारा सूची के अनुसार पालकों से सम्पर्क कर विद्यार्थियों को प्रवेश दिलाया जायेगा। इस वर्ष नवीन पोर्टल पर सभी शालाओं एवं उनमें पदस्थ शिक्षकों को लॉग इन आईडी दी गई है। शाला प्रवेश के समय दस्तावेज के अभाव में किसी भी विद्यार्थी को प्रवेश से वंचित नहीं रखा जायेगा।

कक्षोन्नति- पूर्व से शालाओं में दर्ज विद्यार्थियों की अगली कक्षा में प्रवेश के लिये विगत वर्ष 2024-25 में कक्षा-1 से 8 तक की शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों की जानकारी प्रदर्शित की गई है। शिक्षक द्वारा परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों की जानकारी पोर्टल पर संबंधित शिक्षक या स्कूल की आईडी से चिन्हित की जायेगी। कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों के समक्ष पास अथवा फेल की प्रविष्टि करते हुए प्रतिशत अंकित करने पर विद्यार्थी अगली कक्षा में पोर्टल पर स्वतः ही प्रवेशित हो जायेंगे। प्रदेश की ऐसी प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में जहाँ अगली कक्षा क्रमशः 6 और 9 उपलब्ध नहीं हैं, ऐसी स्थिति में कक्षा-5, 8 एवं कक्षा-10वीं के विद्यार्थियों को पूर्व की शाला के प्रधानाध्यापक, प्राचार्य विद्यार्थियों एवं पालकों से चर्चा कर समीप शाला में कक्षा-6, 9 एवं कक्षा 11 में ऑनलाइन प्रवेशित करायेंगे। संबंधित शाला जहाँ प्रवेश होना है, ऐसे विद्यार्थियों की सूची को समीपस्थ विद्यालय के शिक्षकों-शालाओं के लॉगइन में होगी।

इंदौर जिले में सभी पटवारियों के हल्कों का किया जायेगा रेण्डमाईजेशन

कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

इंदौर। इंदौर जिले में सभी पटवारियों के हल्कों का रेण्डमाईजेशन किया जायेगा। इससे सभी पटवारियों को नये हल्के मिलेंगे। यह रेण्डमाईजेशन एनआईसी के विशेष पोर्टल के माध्यम से किया जायेगा। साथ ही जिले में समग्र आईडी के ईकेवायसी के कार्य को भी तेजी देते हुए शीघ्र पूरा किया जायेगा।

यह जानकारी आज यहाँ कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई समय सीमा के पत्रों की निराकरण (टीएल) की बैठक में दी गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन

अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री राजेंद्र रघुवंशी, श्री रोशन राय तथा श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बैठक में राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं, कार्यक्रम और गतिविधियों के क्रियान्वयन सहित अंतर्विभागीय समन्वय से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने तहसील क्षेत्रों में पटवारियों के हल्कों का नये ?सिरे से निर्धारण करें। यह रेण्डमाईजेशन एनआईसी के पोर्टल के माध्यम से करें। बैठक में उन्होंने समग्र आईडी की ईकेवायसी कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि इंदौर नगर निगम क्षेत्र में इस कार्य पर विशेष ध्यान दिया जाये। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली सभी कार्यालयों में स्थापित करने के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस की सभी तैयारियाँ सभी विभाग पूर्ण कर ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य करना प्रारंभ करें। उन्होंने जिले में सीमांकन और आरआरसी वसूली पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आरआरसी के तहत सभी बकायादारों को नोटिस जारी किये जाये।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

कलेक्टर द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन । कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह के द्वारा मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई करते हुए प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश अधीनस्थ अधिकारियों को दिए गए।

बेगम बाग निवासी अकिला नागौरी ने आवेदन दिया ?कि ग्राम मतानाकला में उनके स्वामित्व की कृषि भूमि स्थित है, उनके द्वारा कृषि भूमि का बटांकन कराए जाने के लिए काफी समय पहले आवेदन दिया गया था परन्तु आज दिनांक तक उनकी भूमि का बटांकन नहीं किया गया है तथा उनके नाम से खसरा पावती भी नहीं बन पाई है इस वजह से उन्हें कई परेशानि?यों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर तहसीलदार उज्जैन ग्रामीण को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

खाचरोद तहसील के ग्राम मीण निवासी रीना सोलंकी ने आवेदन दिया कि उनके पति लोकनिर्माण विभाग के रेस्टहाउस पर रखरखाव का कार्य करते हैं। उनकी सेवा पुस्तिका में प्रार्थिया का नाम आज दिनांक तक जुडा नहीं है। अत- सेवा पुस्तिका में प्रार्थिया का नाम जुडवाया जाए। इस पर ईई पीडब्ल्यूडी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

महिदपुर निवासी महेश चौहान ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की कृषि भूमि ग्राम खुरचन्या में स्थित है। उक्त भूमि पर सीमांकन के पश्चात भी पड़ोसी कृषक के द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, तथा आवेदक द्वारा आपत्ति लेने पर कृषक और उसके पुत्रों द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है। इस पर एसडीएम महिदपुर को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

देवास रोड उज्जैन निवासी अनुराग सोलंकी ने आवेदन दिया कि माकडोन तहसील के ग्राम सुचाई में स्थित उनकी पैतृक संपत्ति के उनके पिता व चाचा दो हकदार थे। आवेदक के चाचा के द्वारा धोखाधडी कर पूरी संपत्ति का नामांतरण स्वयं के नाम पर करवा लिया गया है। इस पर तहसीलदार माकडोन को जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम नजरपुर तहसील घट्टिया निवासी लाखनसिंह पिता भागीरथ ने आवेदन दिया कि आवेदक की आर्थिक स्थित अत्यंत कमजोर है, उनके पास रहने के लिए आवास नहीं है। अत- मकान निर्माण हेतु पीएम आवास योजना के तहत सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस पर सीईओ जनपद पंचायत घट्टिया को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार अपर कलेक्टर श्री एम एस कवचे एवं अन्य अधिकारीयों द्वारा अन्य आवेदनों पर जनसुनवाई की गई।

38वाँ भेराजी सम्मान प्रख्यात उद्घोषक उदित तिवारी और लोकगायक सुंदरलाल मालवीय को प्रदान किया जायेगा

38वां भेराजी सम्मान समारोह 18 अप्रैल को

उज्जैन। म.प्र. में मालवी एवं निमाड़ी लोकसंस्कृति का प्रतिष्ठा प्रसंग भेराजी सम्मान आगामी 18 अप्रैल को कालिदास आकादमी में आयोजित किया जा रहा है।

मालवा लोककला एवं संस्कृति संस्थान के संयोजक - सचिव जयेश भेराजी ने बताया कि 38वें भेराजी सम्मान समारोह में इस वर्ष भेराजी सम्मान प्रख्यात उद्घोषक लोकविद उदित तिवारी एवं लोकगायक, माचविद सुंदरलाल मालवीय को प्रदान किया जा रहा है। आकाशवाणी के लोकप्रिय उद्घोषक एवं मालवी के लिए समर्पित उदित तिवारी गुणवत्तापूर्ण आयोजनों को प्रसारित करने के लिए विख्यात हैं। लोकगायक सुंदरलाल मालवीय अनेक राज्यों के प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत हैं। यह सम्मान पूर्व में सर्वश्री बालकवि बैरागी, हरीश निगम, भावसार बा, मोहन सोनी, पद्मश्री भगवतीलाल राजपुरोहित, भगवती शर्मा, शिव चौरसिया, नरेन्द्र सिंह तोमर आदि को प्रदान किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि 'भेराजी सम्मान' आकाशवाणी के ब्रांड लोकगायक भेराजी (स्व. श्री सीताराम वर्मा) की पुण्यतिथि 18 अप्रैल को प्रतिवर्ष आयोजित होता है। भेराजी सम्मान समारोह के संस्थापक प्रसिद्ध अभिनेता, निर्माता, लोक संस्कृति के संवाहक और भेराजी के सुपुत्र स्व. श्री कैलाश वर्मा जी है।

उज्जैन में 6 जून से होगा मां त्रिपुरा सुंदरी, विराट विश्वकर्मा अक्षतार्चन महाअनुष्ठान

उज्जैन। प्रदेश की धार्मिक राजधानी अवंतिका में ओम परब्रह्मा ज्योति पीठ न्यास द्वारा संत श्री वैश्वकर्मण धर्माधिकारी विश्वधारण समर्थ सदुरु महाराज के मार्गदर्शन में आगामी 6 जून से 8 जून 2025 तक व्यापार वृद्धि, सुख समृद्धि, ऋण मुक्ति, ग्रह शांति, स्वास्थ्य वृद्धि हेतु मां त्रिपुरा सुंदरी, विराट विश्वकर्मा अक्षतार्चन महाअनुष्ठान एवं संगीतमय श्री विश्वकर्मा महापुराण कथा होगी। साथ ही विगत वर्ष हुए विराट विश्वकर्मा 108 कुंडी महायज्ञ के आय व्यय पुस्तक विमोचन नरसिंह घाट स्थित झलारिया मठ में होगा।

राम बनाते हैं मिटाते नहीं हैं- डॉ. विश्वेश्वरी देवी

उज्जैन। जीव के जीवन में व्यथा ही है, जो भगवान की कथा से जुड़ जाता है उसके जीवन की व्यथा समाप्त हो जाती है। किया हुआ शुभ कार्य कभी खाली नहीं जाता और किया हुआ अच्छा कार्य कभी बेकार नहीं जाता। राम बनाते हैं मिटाते नहीं हैं। पहले शांति के द्वारा काम बना लेना चाहिए और जब शांति से कार्य न बने तब शस्त्र उठाना चाहिए। अधर्म का समय बहुत छोटा होता है। आखिरी विजय सत्य की होती है। रावण कोई व्यक्ति नहीं है बल्कि प्रवृति है और जिस दिन आपके भीतर बैठे रावण का अंत हो जाए, जिस दिन आपके हृदय से काम, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या का रावण मर जाये उस दिन रावण की मृत्यु समझना।

ये उदगार साध्वी डॉ. विश्वेश्वरी देवी ने ऋषिनगर के भारतमाता मंदिर में चल रही सप्तदिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा की भव्य पूर्णाहुति पर भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक प्रसंग पर व्यक्त किये। श्रीराम कथा के यजमान ललित कुमार शर्मा, निर्मला शर्मा ने व्यासपीठ का पूजन किया। श्रीराम कथा के विश्राम के अवसर पर भारी संख्या में श्रद्धालु श्रीराम कथा सुनने पंहुचे। भगवान श्री राम के राज्याभिषेक के अवसर पर फूलों की होली खेली गई जिसका आनंद भक्तों ने उठाया। समापन पर नगर निगम सभापति कलावती यादव, शहर भाजपा अध्यक्ष संजय अग्रवाल, भगवान श्री महाकालेश्वर के पुजारी पंडित महेश पुजारी, अमय आप्टे, पार्षद नविता मालवीय, विकास मालवीय, विकास माहुरकर आदि उपस्थित रहे। संचालन अशोक तिवारी ने किया। आस्था युवा मंच के संयोजक अमित मिश्रा और रोहित शर्मा ने श्रीराम कथा के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

रामनवमी पर निकला भगवान कोटिलिंगेश्वर महादेव गैर ध्वज चल समारोह

अखाड़े के साथ ही झिलमिल झांकियां हुई शामिल

उज्जैन। प्रदेश की धार्मिक राजधानी अवंतिका में ध्वज गैर चल समारोह का अपना महत्व है। भूतभावन बाबा महाकाल के ध्वज गैर चल समारोह के साथ ही शहर में ध्वज चल समारोह का सिलसिला प्रारंभ हो जाता है। रामनवमी के अवसर पर वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वाह करते हुए कोटिलिंगेश्वर महादेव मंदिर अब्दालपुरा द्वारा ध्वज गैर चल समारोह का आयोजन किया गया। शुभारंभ पर वरिष्ठ समाजसेवीयों का साफा बांधकर सम्मान किया गया।

गैर में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पूरी महाराज, राज्यसभा सांसद योगी उमेश नाथ महाराज, भरतरी गुफा के पीर रामनाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, निगम अध्यक्ष कलावती यादव, संयोजक नंदलाल यादव, अध्यक्ष नारायण यादव, जगदीश पांचाल, राजेश दिसावल, अजय मेहता ने भगवान कोटिलिंगेश्वर महादेव का और सनातन धर्म के शोर्य के प्रतिक ध्वजा का पूजन कर गेर का शुभारंभ किया। ध्वज, बैंड बाजे, ढोल नगाड़े, अखाड़े, मनमोहक झांकियां, ध्वज निशान के साथ ध्वज गैर चल समारोह अब्दालपुरा से प्रारंभ हुआ। जो खजूर वाली मस्जिद, बुधवारिया, कंठाल, सती गेट, गोपाल मंदिर, के डी गेट होता हुआ पुनः अब्दालपुरा पहुंचा। रास्ते पर अखाड़े के पहलवान अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए शामिल हुए। सचिव जगदीश पांचाल ने बताया कि गैर में श्री राम जी, हनुमान जी सहित सभी झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का गैर से पुराना नाता रहा है वह भी वर्चुअल रूप से गैर में सम्मिलित हुए। गेर में शुभारंभ पर वरिष्ठ समाजसेवीयों का साफा बांधकर सम्मान किया गया। अब्दालपुरा की परंपरागत गैर में विशेष रुप से अभय यादव, वैभव यादव, आयुष यादव, गोविंद यादव, निलेश यादव, मनीष खंडेलवाल, शुभम उपाध्याय, सतीश राठौर, डॉ. रवि सोलंकी, संजय शर्मा, अभय आचार्य, गोविंद दवे, श्याम मेहता, मुकेश यादव, आनंद सिंह खींची, वीरेंद्र आंजना, सुभाष डोडिया, शानु मेहता सहित हजारों की संख्या में शहरवासी, गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए।

जैन सोशल ग्रुप उज्जैन टीम मैत्री का हुआ 'राजतिलक'

उज्जैन। जैन सोशल ग्रुप उज्जैन टीम मैत्री का राजतिलक कार्यक्रम मैत्री समागम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा एवं फेडरेशन इलेक्ट प्रेसिडेंट मनीष कोठारी, अभय सेठिया, अभिषेक सेठिया, हेमंत जैन, रीजन अध्यक्ष राहुल चपड़ोद, दिपेन्द्र कोठारी, विनोद बरबोटा, ललित काठेड़, संजय लोढ़ा, शरद जैन, दिलीप डूंगरवाल, अश्विन मेहता, संजय कोठारी, विजय बरडिया, अमित कोठारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में बंदोली का आयोजन किया गया। स्वागत उद्बोधन अध्यक्ष मनोज जैन द्वारा किया गया। जिसमें पूरा परिवेश राजस्थानी रखा गया। राजाराम रिसोर्ट के सभागृह में राजतिलक का आयोजन किया गया जिसमें नवीन अध्यक्ष अशोक कोठारी एवं सचिव संजय सोनी के साथ टीम मैत्री के 45 पदाधिकारी एवं डायरेक्टर का राजतिलक किया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com